राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण शनिवार,13जुन2020 वर्ष–2, अंक –101 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योगी आदित्यनाथ के आवास को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ (एजेंसी) । उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास को बम से उड़ाने की धमकी के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह धमकी उत्तर प्रदेश पुलिस की आपातकालीन सेवा ''डायल —112" पर दी गई ।

सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास के अलावा प्रदेश की कई अन्य जगहों को बम से उडाने की धमकी दी गई है । उन्होंने बताया कि इस धमकी भरे संदेश के बाद मुख्यमंत्री के पांच, कालिदास मार्ग स्थित आवास की सुरक्षा और कडी कर दी गई है । ज्ञात रहे कि कालिदास मार्ग पर प्रदेश सरकार के कई वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के भी आवास हैं।

धमकी मिलने के बाद श्वान दस्ते और बम निरोधक दस्ते की मदद से छानबीन की जा रही है । पुलिस आसपास के वीआईपी इलाकों में भी सघन चेकिंग कर रही है।धमकी देने वाले का पता लगाने की कोशिश की जा रही है । अज्ञात व्यक्ति ने प्रदेश में 50 अलग अलग अन्य जगहों पर भी बम धमाके करने की धमकी दी है ।

योगी आदित्यनाथ को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, सीएम आवास की सुरक्षा बढ़ी

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद उनके आवास के आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह धमकी यूपी पुलिस हेल्पलाइन के 112 नम्बर पर फोन करके दी गई। इससे पहले मई में भी योगी आदित्यनाथ को धमकी मिली थी और दो लोगों को मुम्बई से गिरफ्तार किया गया था।

इस संबंध में गृह विभाग के आला अधिकारियों की बैठक की जा रही है। प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री आवास, 5 कालीदास मार्ग की सुरक्षा बढ़ा दी है। बम निरोधी दस्ते व डॉग स्क्वायड की मदद से छानबीन की जा रही है।

मासूम बच्ची से अंडे फूटे, तो मां ने पीट–पीट कर ली जान

कौशांबी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में रिश्ते को कलंकित करने वाली घटना सामने आई है। एक निर्दयी मां ने सिर्फ कुछ अंडों के लिए अपनी मासूम बेटी को मौत के घाट उतार दिया। मां ने अंडों के लिए अपनी ही बेटी की हत्या कर दी, बात हैरान करने वाली है। लेकिन आरोपी महिला की दो ननदों ने इस खौफनाक हादसे को पुलिस के सामने बयां किया है।

इसी आधार पर कोखराज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बच्ची की मां को गिरफ्तार किया। कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र के इचौली गांव के रहने वाले राम सिंह ने 3 जुलाई को पुलिस स्टेशन पहुंच कर अपनी 4 वर्षीय बेटी पायल की गायब होने की सूचना दर्ज कराई। मासूम के रहस्मय तरीके से गायब होने की सूचना मिलने के बाद कोखराज पुलिस तुरंत हरकत में आई, और गांव जाकर हर संभव जगह पर तलाश की। लेकिन पायल

का कहीं भी सुराग नहीं लगा।

इस पर पुलिस ने गांव के सभी घरों की तलाशी लेनी शुरू की। तभी कुछ महिलाओं और बच्चों ने छत पर पायल की लाश होने की बात कही। पुलिस ने छत पर चढ़कर देखा तो अरहर की सूखी लकड़ी के नीचे पायल की लाश पड़ी हुई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ ही दिनेश और उसकी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर रही थी।

तभी एक मुखबिर ने पीड़िता की ननद से जानकारी लेने की बात कही। पुलिस ने जब दोनों ननद रविता व अनिता से पूछताछ की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। दोनों ने बताया कि घर पर रखे अंडों को पायल ने गलती से तोड़ दिया था। जिस पर मां रेखा ने पायल को बुरी तरह से पीटा,

इतना ही नहीं पायल का सिर दीवार पर कई बार पीछे से बाल पकड़ कर टकराया जिससे पायल की मौत हो गई। इसके बाद बच्ची की मौत से घबराई रेखा ने पायल की घर के सामने से गायब होने की कहानी गढ़ी।

फिर रात को छत पर जाकर पायल का शव छिपा दिया। और नर बलि की झूठी अफवाह उड़ा दी। लेकिन उसकी ननद ने खौफनाक मंजर को पुलिस के सामने बयां कर दिया और हत्याकांड का खुलासा हो गया।

शराब कीबिक्री के लिए महिलाओं की ड्यूटी लगाना

भोपाल (एजेंसी) मध्यप्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष शोभा ओझा ने मध्यप्रदेश में शराब की बिक्री के लिए महिलाओं की ड्यूटी लगाने के अविवेकपूर्ण निर्णय को नारी की सुरक्षा और गरिमा के खिलाफ बताया है।

स्त्री सुरक्षा और गरिमा के खिलाफ

ओझा ने अपने बयान में कहा कि एक ओर तो मध्यप्रदेश महिला अपराधों के मामले में लगातार अव्वल आता रहा है, ऊपर से प्रदेश सरकार द्वारा इस प्रकार का शर्मनाक निर्णय लेना और बाकायदा ड्यूटी चार्ट तैयार कर महिलाओं की ड्यूटी प्रस्तावित कर देना, निश्चित ही नारी की सुरक्षा और उसकी गरिमा के खिलाफ है, इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि इस फैसले से महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के मामले में प्रदेश सरकार की संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं!

उन्होंने आशंका जताई कि सरकार द्वारा महिलाओं को शराब की दुकान पर बैठाने के इस मर्यादाहीन और अविवेकपूर्ण निर्णय से महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में बढ़ोत्तरी होने की पूरी संभ. ावना है, लिहाजा सरकार के इस अव्यावहारिक फैसले को किसी भी प्रकार से जायज़ नहीं ठहराया जा सकता। ओझा ने प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान की रक्षा करने की मांग करते हुए आहत हुई जनभावनाओं का भी आदर करते हुए प्रदेश सरकार से फैसले को अविलंब वापस लेने की अपील की।

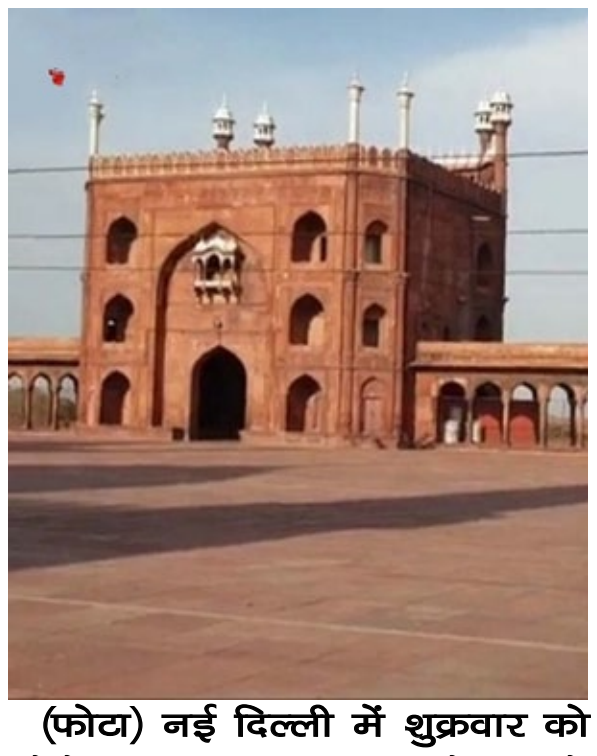

(फोटा) नई दिल्ली में शुक्रवार को कोरोनावायरस संक्रमण के चलते जामा मस्जिद के दरवाजे नमाजियों के लिए 30 जून तक बंद कर दिए गए।

महिला, बच्ची की हत्या के बाद बलूचिस्तान में उग्र प्रदर्शन,

मुंह छिपाकर भागी पाक सेना

इस्लामाबाद, एजेंसी पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया है। कोरोना संक्रमण और हर दिन बढ़ते कर्ज और बिगड़ती अर्थव्यवस्था के चलते पाकिस्तान पहले ही घोर संकटों में घिरा हुआ है। ऐसे में बलूचिस्तान में एक महिला और उसकी 4 साल की बच्ची की हत्या के बाद लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। गुरुवार को बड़ी संख्या में बलूचों ने प्रदर्शन के दौरान बारबचा इलाके में पाकिस्तान की सेना पर पत्थर भी फेंके। देर शाम ये प्रदर्शन काफी उग्र हो गया और मिली जानकारी के मुताबिक लोगों ने सेना की एक चेक पोस्ट को आग के हवाले कर दिया। ज्ञात हो कि बलूचिस्तान में इस तरह के प्रदर्शन बीते 15 दिनों से जारी हैं। करीब दो हफ्ते पहले बलूचिस्तान के तुरबत शहर में मलिकनाज नाम की एक महिला और उसकी चार साल की बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बलूचिस्तान की सरकार चला रही बलूचिस्तान आवामी पार्टी (बीएपी) के के लोगों ने ही इस हत्या को दिनदहाड़े अंजाम दिया है। आरोप है कि न सिर्फ पुलिस बल्कि सेना और इमरान खान सरकार भी आरोपियों को बचा रही है।

बलूचिस्तान में हुए इस हिंसक प्रदर्शन के कई वीडियो पाकिस्तानी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में हजारों प्रदर्शनकारी पाकिस्तानी सैनिकों पर पत्थरबाजी करते नजर आ रहे हैं। वीडियो को बलूचिस्तान पोस्ट ने शेयर किया है और इसमें पाकिस्तानी सेना के टैंक, सेना की पोस्ट और कई जवान भी नज़र आ रहे हैं। वीडियो में जो पोस्ट नज़र आ रही है वहां पत्थरबाजी होने के बाद सौनिक भाग गए थे और लोगों ने उसे आग के हवाले कर दिया। गौरतलब है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (क्यू) के कुछ सदस्यों ने मिलकर 2018 में बीएपी बनाई थी। 2018 में बलूचिस्तान में हुए चुनावों में बीएपी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। इमरान खान सरकार में भी बीएपी शामिल है। सूत्रों के हवाले से पता चला है कि पाकिस्तान की सेना ग्राउंड जीरो क्लियरेंस ऑपरेशन चला रही है। इस ऑपरेशन के तहत बलूचिस्तान की आजादी की मांग करने वाली बलूच लिबरेशन आर्मी और बलूच लिबरेशन फ्रंट को खत्म किया जा रहा है। बीते कुछ दिनों में बलूच और पख्तून नेताओं की हत्या के कई मामले सामने आए हैं।

पाक ने फिर तोड़ा सीजफायर, भारतीय सैनिकों ने तबाह की पाक चौकियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस महामारी के बीच भी पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

गुरुवार रात पाक सेना ने राजौरी और पुंछ सेक्टर में सीजफायर का उल्लंघन किया। पाक सेना की ओर से लगातार इन सेक्टर में फायरिंग की जा रही है। भारतीय सेना भी उसकी इस नापाक हरकत का करारा जवाब दे रही है।

सेना के एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से आतंकियों को घुसपैठ कराने की लगातार कोशिश हो रही है। इसके अलावा घाटी में मौजूद आतंकी भी लगातार सुरक्षा बलों का निशाना बन रहे हैं। जिससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इस साल अब तक 98 आतंकियों का खात्म हो चुका है।

पिछले साल के मुकाबले इस साल पाकिस्तान ने सीज फायर का बहुत ज्यादा उल्लंघन किया है। इसी महीने अब तक यानी 10 दिन में ही पाकिस्तान 114 बार सीजफायर तोड़ चुका है।

2019 में 16 सालों में सबसे ज्यादा सीजफायर का उल्लंघन हुआ था लेकिन 2020 में पाकिस्तान उससे भी आगे बढ़ता दिख रहा है।

2019 में जहां कुल 3168 बार सीज फायर का उल्लंघन किया वहीं इस साल अभी 6 महीने भी पूरे नहीं हुए और पाकिस्. तान की तरफ से 2027 बार सीज फायर का उल्लंघन हो गया है। पाकिस्तान ने पिछले साल जनवरी से लेकर मई तक जहां 1140 बार सीज फायर का उल्लंघन किया था वहीं इस साल शुरूआती पांच महीनों में 1913 बार सीज फायर का उल्लंघन कर दिया है।

बुधवार रात पाकिस्तान ने एलओसी पर कई जगहों पर सीजफायर का उल्लंघन किया। रात 10:20 बजे मंजाकोट सेक्टर में, रात 10.40 बजे केरी सेक्टर में गोलाबारी की। रजौरी सेक्टर में हुई गोलाबारी में भारतीय सेना के नायक गुरुचरण सिंह शहीद हो गए। वह पंजाब के गुरदासपुर के रहने वाले थे।

मंगलवार को भी पाकिस्. तान ने मनकोटे सेक्टर में सीजफायर का उल्लंघन किया। पाकिस्तान की तरफ से केरन, रामपुर और उरी सेक्टर में भी गोलाबारी हो रही है।

रायपुर क्वारेंटीन में रखे गए प्रवासी श्रमिकों ने हॉस्टल के उद्यान को बनाया मनमोहक

निकालने की कोशिश में सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। घातक कोरोना वायरस के संकट में जारी लॉकडाउन ने सब कुछ ठप करके रख दिया जिसके चलते टर्म लोन की ईएमआई चुकाने पर छह महीने की मोहलत लोगों को मिली है,

लेकिन इस दौरान ब्याज माफ हो या नहीं इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट इस पर कुछ नरम पड़ता दिखा और अब बीच का रास्ता निकालने की कोशिश हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को निर्देश दिया कि तीन दिन के भीतर बैठक कर इस बारे में निर्णय लें। इस बारे में क्या बात हुई, इसके बारे में केंद्र सरकार को तीन दिन के भीतर अपना जवाब देना है। इस बारे में अगली सुनवाई 17 जून को होगी।

सुप्रीम कोर्ट की मुख्य चिंता अब इस बात को लेकर है कि क्या ईएमआई में दिए जाने वाले ब्याज पर भी ब्याज लिया जाएगा? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह बीच का रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा है।

कोर्ट ने कहा, 'हमारी चिंता यह है कि जो ब्याज माफ किया गया है उसे क्या आगे जोड़कर ग्राहकों से लिया जाएगा और क्या इस ब्याज पर भी ब्याज लिया जाएगा।'

कोर्ट ने कहा, 'इस बारे में कई तरह की राय है। कोई एक रास्ता निकालने की कोशिश हो सकती है। हमारा सवाल बस इतना है कि क्या ब्याज पर भी ब्याज लिया जाएगा?'

लॉकडाउन में काम धंधे बंद होने की वजह से बहुत से लोग लोन की ईएमआई नहीं चुका पा रहे हैं। रिज़र्व बैंक के आदेश पर बैंकों ने ईएमआई में छह महीने का मोरेटोरियम तो दिया है लेकिन कर्ज पर ब्याज बराबर लग रहा है। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस ब्याज अदायगी से छूट मांगी गई है।

बैंकों का कहना है कि लोन पर ब्याज माफ करने से उन्हें करीब 2 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान हो सकता है, जिसका बोझ सहन करना उनके लिए संभव नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी इसका विरोध किया है। आरबीआई का कहना है कि इससे बैंकिंग सेक्टर पर गंभीर असर पड़ेगा।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मध्य प्रदेश में संशय

सभी भविष्यवाणियां और विश्लेषण यही कह रहे हैं कि सत्ता अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के हाथ से फिसल रही है। जब भी किसी राज्य में ऐसी स्थितियां बनती हैं, मुख्यमंत्री सदन के विश्वास मत परीक्षण को किसी तरह टालने की कोशिश करते हैं। शायद इस उम्मीद में कि अगर समय मिले, तो वह किसी तरह हालात मैनेज करने की कोशिश करें। आमतौर पर उन्हें इसके लिए ज्यादा समय नहीं मिलता। लेकिन कमलनाथ इसमें कामयाब होते दिख रहे हैं। कोरोना वायरस संक्रमण के नाम पर उन्होंने विधानसभा का सत्र दस दिन के लिए टाल दिया है। कोरोना वायरस को हथियार बनाया जा रहा है यह रविवार को तभी स्पष्ट हो गया था, जब कांग्रेस की तरफ से यह मांग उठने लगी थी कि जो भी विधायक दूसरे प्रदेशों में रह रहे थे, सत्र से पहले सभी की कोरोना संक्रमण की जांच की जाए। पिछले कुछ समय से राज्य के ज्यादातर विधायक बाहर ही थे। भाजपा के विधायक और कांग्रेस से पाला बदलने वाले विधायक हरियाणा में थे, जबकि कांग्रेस के बाकी विधायक जयपुर में। कोरोना संक्रमण के लिए इन सभी की जांच होगी या नहीं, यह अभी साफ नहीं है, पर संक्रमण के बहाने सत्र को दस दिन के लिए जरूर टाल दिया गया है। हालांकि भाजपा ने जल्द फ्लोर टेस्ट कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया और राज्यपाल के सामने अपने विधायकों की परेड भी करवाई। इन दोनों ही कोशिशों का क्या नतीजा होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट सदन में बहुमत परीक्षण का आदेश दे सकती है, पर भाजपा की कोशिश है कि उसे इसके लिए दस दिन का भी इंतजार नहीं करना पड़े। हालांकि दस दिन की यह मोहलत किसी भी तरह मुख्यमंत्री कमलनाथ के काम आएगी, इसके कोई भी संकेत फिलहाल तो नहीं नजर आ रहे हैं। दस दिन का अर्थ है कि 26 मार्च के बाद ही सत्र शुरू हो सकेगा। मगर किसके पास विधानसभा में कितनी ताकत है, यह 26 मार्च को ही साफ हो जाएगा। इस दिन राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान होना है और यह चुनाव ही सदन में शक्ति परीक्षण का नतीजा साफ कर देगा। यह भी माना जा रहा है कि मध्य प्रदेश की सत्ता में बदलाव का दांव जान-बूझकर इस समय खेला गया है, जब एक तीर से एक साथ दो शिकार हो सकते हैं। एक तो भाजपा को प्रदेश में सत्ता मिल जाएगी और दूसरे, राज्यसभा में उसे एक सीट का फायदा मिलेगा। इसके उलट, कांग्रेस दोनों ही मोर्चों पर नुकसान में रहेगी। नतीजा जो भी हो, पर मध्य प्रदेश राजनीतिक अस्थिरता के दौर में प्रवेश कर गया है। हालांकि इसकी भूमिका तभी तैयार हो गई थी, जब पिछले विधानसभा चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। कांग्रेस भले ही सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, मगर वह बहुमत से मामूली सी दूर ही थी। उसने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के समर्थन से सरकार बनाई जरूर, पर सरकार पर खतरा बना हुआ था। भाजपा तभी से उपयुक्त मौके की तलाश में थी, यह मौका भी अब उसे मिल गया है। आगे नतीजा जो भी हो, पर प्रदेश सरकार की स्थिति जल्द से जल्द स्पष्ट होनी चाहिए। किसी भी प्रदेश के लिए यह बहुत जरूरी होता है कि वहां राजनीतिक अस्थिरता का दौर लंबा न खिंचे। सदन में बहुमत परीक्षण ही इसका एकमात्र रास्ता है।

आज के ट्वीट

देव

जिस तरह भारतीय डॉक्टर अपनी जान पर खेलकर कोरोना का इलाज कर रहे हैं, वह देव तुल्य कार्य है। भारतीय डॉक्टर केवल स्वदेश में ही नहीं, बल्कि मालदीव और ईरान जैसे 14 से ज्यादा देशों में जाकर वहां के नागरिकों का परीक्षण और इलाज कर रहे हैं। हमें इन डॉक्टरों का साथ देकर उनका हौसला बढ़ाना चाहिए।

-- हार्दिक भावसार

पहाड़ी राज्यों का विकास सेवा क्षेत्र में संभव

भरत झुनझुनवाला

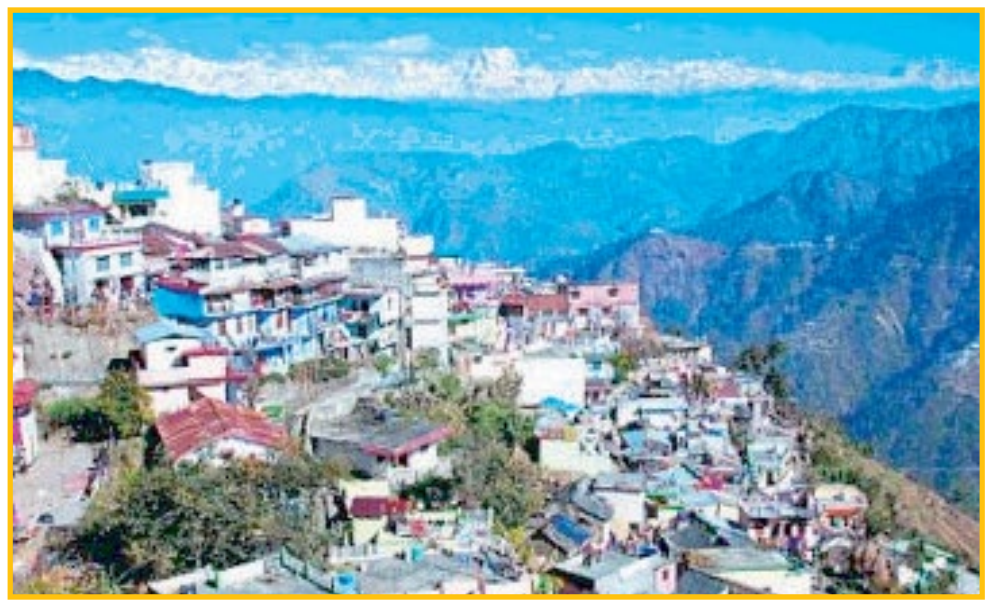

अर्थव्यवस्था के तीन प्रमुख क्षेत्र होते हैं - कृषि, मैन्युफैक्चरिंग एवं सेवा। मैन्युफैक्चरिंग में कागज़, सीमेंट, कार इत्यादि का उत्पादन आता है जो कि भौतिक वस्तुएं हैं। सेवा क्षेत्र में होटल, संगीत, यातायात, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बैंक आदि आते हैं, जिनमें किसी माल का उत्पादन नहीं होता लेकिन उपभोक्ता किसी सेवा की खपत करता है। वर्ष 1951 में हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि का हिस्सा 56 प्रतिशत, मैन्युफैक्चरिंग का 14 प्रतिशत और सेवा का 30 प्रतिशत था। वर्तमान में कृषि का हिस्सा 56 प्रतिशत से घटकर मात्र 16 प्रतिशत रह गया है जबकि मैन्युफैक्चरिंग 14 प्रतिशत से बढ़कर 30 प्रतिशत पर पहुच गई है और सेवा क्षेत्र 30 प्रतिशत से बढ़कर 54 प्रतिशत पर पहुच गई है। अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान तेजी से गिर रहा है, मैन्युफैक्चरिंग एवं सेवा क्षेत्र बढ़ रहे हैं। कृषि के हिस्से में गिरावट आने का मुख्य कारण है कि विश्व में कृषि उत्पादों की मांग सीमित है। विश्व की जनसंख्या में मामूली वृद्धि हो रही है। तदनुसार खाद्य पदार्थों की खपत में भी मामूली ही वृद्धि हो रही है। इसमें कुछ वृद्धि अंडे एवं मीट की खपत के कारण हो रही है लेकिन वर्तमान में स्वास्थ्य कारणों से तमाम लोग शाकाहारी भोजन को अपना रहे हैं। साथ-साथ ब्राज़ील जैसे देशों में गन्ने से पेट्रोल बनाया जा रहा है लेकिन इसकी लागत बहुत ज्यादा आती है। इसलिए कृषि उत्पादों की मांग कम है। कृषि क्षेत्र में गिरावट वैश्विक स्तर पर हो रही है। मैन्युफैक्चरिंग की स्थिति सामान्य है। वह इसलिए कि किसी भी परिवार द्वारा उत्पादित माल की खपत की एक सीमा होती है। जैसे आप के घर में यदि एक फ्रिज है तो आप दूसरा फ्रिज नहीं खरीदेंगे। फ्रिज, टेलीविज़न, वॉशिंग मशीन खरीद लेने के बाद आप के द्वारा उत्पादित माल की खपत में वृद्धि कम ही होगी। तुलना में सेवा क्षेत्र में खपत उत्तरोतर बढ़ती जाती है। जैसे आप वर्ष में एक बार विदेश पर्यटन के स्थान पर पांच बार भी कर सकते हैं। आप नए-नए संगीत को सुन सकते हैं और यदि आप चाहें तो किसी कंप्यूटर प्रोग्रामर को कह सकते हैं कि आपकी इच्छा अनुसार कोई एप अथवा सिनेमा बनाए। इसलिए सेवा क्षेत्र में खपत की अपार संभावनाएं हैं और इस क्षेत्र में वृद्धि होती जा रही है। इसलिए आज अमेरिका जैसे विकसित देशों की आय में कृषि का हिस्सा मात्र, 1 प्रतिशत, मैन्युफैक्चरिंग का 19 प्रतिशत और सेवा का 80 प्रतिशत है। हम भी इसी दिशा में चल रहे हैं। इस परिस्थिति में पहाड़ी क्षेत्रों को तय करना है कि वे इन तीनों में से किस क्षेत्र का सहारा लेकर अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारेंगे। कृषि क्षेत्र में स्पष्ट सीमाएं हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में खेत बनाने का क्षेत्रफल सीमित है और ऊंचे-नीचे होने के कारण यहां खेती करना भी कठिन है। कृषि में कुछ विशेष उत्पादों में संभावनाएं हो सकती हैं। जैसे गुलाब अथवा ग्लेडियोलस फूल के उत्पादन में अथवा सेब के बगीचों में परन्तु यह सर्वव्यापी मॉडल होता नहीं दिख रहा है। इसलिए पहाड़ी क्षेत्रों को मैन्युफैक्चरिंग तथा सेवा क्षेत्र में से एक का चयन करना है। मैन्युफैक्चरिंग में पहाड़ी क्षेत्रों की अनुकूलता कम है। किसी माल के उत्पादन में ढुलाई का खर्च महत्वपूर्ण होता है। पहाड़ी क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग के उद्योग लगाने के लिए आपको कच्चे माल को मैदान से पहले पहाड़ पर लाना होगा और फिर बनाए हुए माल को पुनः नीचे ले जाना होगा। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े शहर कम होते हैं। अतः यदि आपकी बिजली की मोटर जल गई तो पहाड़ी क्षेत्र में दूसरी मोटर लाकर उसको लगाने में तीन दिन का समय लग जाता है जबकि मैदानी क्षेत्र में यह कार्य छह घंटे में हो सकता है। बिजली की सप्लाई भी मैदानी क्षेत्रों में तुलना में अच्छी होती है। अतः पहाड़ी क्षेत्रों में मैन्युफैक्चरिंग के विस्तार की संभावनाएं कम हैं। देखा गया कि हिमाचल प्रदेश के मैदानी क्षेत्र में बद्दी और उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्र काशीपुर और जम्मू कश्मीर के मैदानी क्षेत्र जम्मू में ही मैन्युफैक्चरिंग उद्योग लग रहे हैं। यानी पहाड़ी राज्य के भी जो मैदानी क्षेत्र हैं, उनमें ही मैन्युफैक्चरिंग उद्योग लग रहे हैं। प्रमुख पहाड़ी क्षेत्र में उद्योगों का सर्वथा अभाव है। इसका एक पक्ष यह भी है कि यदि पहाड़ी राज्य मैन्युफैक्चरिंग के आधार पर बढ़ते हैं तो पहाड़ी राज्यों के शुद्ध पहाड़ी क्षेत्रों से राज्य के ही मैदानी क्षेत्र को पलायन जारी रहता है।

जैसे उत्तराखंड के चमोली जिले के युवक आज उत्तराखंड के ही मैदानी क्षेत्र काशीपुर में जाकर उद्योगों में रोजगार कर रहे हैं। इस पलायन का सामरिक महत्व भी है। यदि किसी परिस्थिति में देश के पहाड़ी क्षेत्र में आक्रमण हुआ तो हम पायेंगे की हमारे पहाड़ खाली हो चुके हैं। हमारी सेना को समर्थन एवं सहायता और सूचना देने के लिए स्थानीय लोगों का नितांत अभाव है। इसलिए पहाड़ी क्षेत्रों के लिए मैन्युफैक्चरिंग के आधार पर आगे बढ़ना कठिन दिखता है। तुलना में सेवा क्षेत्र में परिस्थिति बिल्कुल बदल जाती है। यहां जो पहाड़ की दुर्गमता है, उसके साथ पहाड़ का सौंदर्य भी सामने आता है। जैसे स्विट्जरलैंड के पहाड़ों में उन्होंने यूनिवर्सिटी एवं अस्पताल बनाए हैं। नैनीताल के पास भवाली में किसी समय क्षय रोग के मरीजों के लिए सैनीटोरियम बनाया गया था। सोच थी कि वहां की शुद्ध वायु एवं प्राकृतिक वातावरण में मरीज को स्वास्थ्य लाभ शीघ्र होगा। अतः पहाड़ी राज्य यदि सेवा क्षेत्र जैसे सॉफ्टवेयर पार्क, यूनिवर्सिटी, अस्पताल, इत्यादि पर ध्यान दें तो इनकी जो दुर्गमता है, वह नुकसानदेह होने के स्थान पर लाभप्रद हो जाएगी। पहाड़ी क्षेत्रों में हवाई पट्टियां बनाई जा सकती हैं जहां पर व्यक्ति आसानी से पहुंच सकता है। जैसे केदारनाथ में हेलीकॉप्टर सर्विस चलती है। पहाड़ी क्षेत्र के प्राकृतिक सौन्दर्य में सेवा क्षेत्र अच्छी तरह से चल सकता है। जैसे पहाड़ी क्षेत्र के विद्यालयों में छात्रों का रिजल्ट ज्यादा अच्छा होने की संभावना है क्योंकि प्राकृतिक वातावरण सुलभ है। इस परिस्थिति में पहाड़ी राज्यों को तय करना है कि वे जल विद्युत बांध बनाकर उससे बिजली बनायेंगे, जिससे मैन्युफैक्चरिंग के लिए सस्ती बिजली उपलब्ध हो सके; अथवा उनके सामने दूसरा उपाय है कि वे नदी को स्वछन्द बहने दें और नदियों के किनारे सॉफ्टवेयर पार्क, अस्पताल और यूनिवर्सिटी बनाएं, जिससे सेवा क्षेत्र का कार्य हो सके। या तो पहाड़ी राज्यों को बांध बनाना होगा या बांध नहीं बनाने होंगे। इन दोनों को साथ में लेकर चलना संभव नहीं है। अतः पहाड़ी राज्यों को तय करना होगा कि वे मैन्युफैक्चरिंग के आधार पर आगे बढ़ेंगे अथवा सेवा क्षेत्र के आधार पर। मेरा मानना है कि उनके लिए सेवा क्षेत्र ज्यादा अनुकूल होगा क्योंकि इसमें बिजली की खपत मैन्युफैक्चरिंग की तुलना में दसवां हिस्सा होती है। जल विद्युत बांधों को न बनाने से जो बिजली उत्पादन का अभाव होगा, वह यहां प्रभावी नहीं होगा। पहाड़ी क्षेत्र के सेवा क्षेत्र को जो न्यून मात्रा में बिजली चाहिए, उसे मैदानी क्षेत्र से पहाड़ में पहुंचाया जा सकता है। अतः पहाड़ी राज्यों को अपनी नदियों पर बांध बनाने की नीति को मैन्युफैक्चरिंग अथवा सेवा क्षेत्र में चयन करते हुए तय करना होगा।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

शारीरिक श्रम

आचार्य रजनीश ओशो/ शारीरिक श्रम एक लज्जापूर्ण कृत्य हो गया है, शर्म की बात हो गई है। अब्राहम लिंकन एक दिन सुबह-सुबह अपने घर बैठा जूतों पर पॉलिश कर रहा था। उसका एक मित्र आया। मित्र ने कहा- 'लिंकन, यह क्या करते हो? खुद ही अपने जूतों पर पॉलिश करते हो'? लिंकन ने कहा- 'तुमने मुझे हैरानी में डाल दिया। तुम क्या दूसरों के जूतों पर पॉलिश करते हो? मैं अपने ही जूतों पर पॉलिश कर रहा हूं। तुम क्या दूसरों के जूतों पर पॉलिश करते हो'? उसने कहा कि 'नहीं-नहीं, मैं तो दूसरों से करवाता हूं'। लिंकन ने कहा- 'दूसरों के जूतों पर पॉलिश करने से भी बुरी बात यह है कि तुम किसी आदमी से जूते पर पॉलिश करवाओ। इसका मतलब क्या है? इसका मतलब यह है कि जीवन से सीधे संबंध हम खो रहे हैं। जीवन के साथ हमारे सीधे संबंध श्रम के संबंध हैं। कन्फ्यूशियस के जमाने में-कोई तीन हजार वर्ष पहले-कनफ्यूशियस एक गांव में घूमने गया। उसने एक बगीचे में एक माली देखा। बूढ़ा माली कुएं से पानी खींच रहा है। बूढ़े माली का कुएं से पानी खींचना बड़ा कष्टपूर्ण है। वह बुड्ढा लगा हुआ है पानी को..जहां बैल लगाए जाते हैं, वहां बुड्ढा लगा हुआ है और उसका जवान लड़का भी लगा हुआ है। दोनों पानी खींच रहे हैं। कन्फ्यूशियस को खयाल हुआ कि क्या इस बूढ़े को अब तक पता नहीं है कि बैलों या घोड़ों से पानी खींचा जाने लगा है। यह कहां के पुराने ढंग को अख्तियार किए हुए है? तो बूढ़े आदमी के पास कनफ्यूशियस गया और उससे बोला, 'मेरे मित्र! क्या तुम्हें पता नहीं है, नई ईजाद हो गई है। लोग घोड़े और बैलों को जोत कर पानी खींचते हैं, तुम खुद लगे हुए हो'? बूढ़े ने कहा- 'धीरे बोलो, धीरे बोलो। क्योंकि मुझे तो कुछ खतरा नहीं है, लेकिन मेरा जवान लड़का न सुन ले'। कनफ्यूशियस ने कहा- 'तुम्हारा मतलब'? उस बूढ़े ने कहा- 'मुझे सब ईजाद पता है, लेकिन ईजाद आदमी को श्रम से दूर करने वाली है। और मैं नहीं चाहता कि मेरा लड़का श्रम से दूर हो जाए क्योंकि जिस दिन वह श्रम से दूर होगा, उसी दिन जीवन से भी दूर हो जाएगा'। जीवन और श्रम समानार्थक हैं। जीवन और श्रम एक ही अर्थ रखते हैं। लेकिन धीरे-धीरे हम उनको धन्यभागी कहने लगे हैं, जिनको श्रम नहीं करना पड़ता और उनको अभागे जिनको श्रम करना पड़ता है। और यह हुआ भी। एक अर्थ में बहुत से लोगों ने श्रम करना छोड़ दिया तो कुछ लोगों पर बहुत श्रम पड़ गया। बहुत श्रम प्राण ले लेता है, कम श्रम भी प्राण ले लेता है।

जनसंख्या नियंत्रण पर बढ़ती सहमति

अनूप भटनागर

ऐसा लगता है कि विपक्ष धीरे-धीरे केन्द्र सरकार पर 'दो संतान' की नीति अपनाने के लिये दबाव डालने की रणनीति पर काम कर रहा है। इसका संकेत शिव सेना के सासंद द्वारा राज्यसभा में दो संतान की नीति बनाने के लिये निजी विधेयक पेश किये जाने के बाद कांग्रेस के सांसद और विधिवेत्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी की इस दिशा में पहल से मिलता है। सिंघवी ने संसद के वर्तमान बजट सत्र में जनसंख्या नियंत्रण विधेयक नाम से निजी विधेयक पेश करने का निश्चय किया है। 'हम दो-हमारे दो' की नीति पर चलने के लिये राज्यसभा में पेश हो रहे निजी विधेयकों का मकसद प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती आबादी के बोझ की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना और ऐसे दंपतियों को लाभ प्रदान करना है, जिनके दो से ज्यादा संतान नहीं है। साथ ही दो संतान की नीति का पालन नहीं करने वाले 'गरीबी की रेखा से ऊपर के दंपतियों को सरकारी सहायता के लाभ से वंचित करना है। कहने के लिये ये सदस्यों के निजी विधेयक होते हैं लेकिन सामान्यतया, निजी विधेयक पर चर्चा के दौरान सरकार की ओर से जवाब मिलने या आश्वासन मिलने के बाद इसे वापस ले लिया जाता है। जनसंख्या पर नियंत्रण भी ऐसा ही विषय है, जिसमें सदन में कई बार चिंता व्यक्त की गयी है। जनसंख्या का मुद्दा उठने पर दलील दी जाती रही है कि पर्यावरण प्रदूषण और जल, स्वच्छ वायु, जंगल, जमीन और इसी तरह के अन्य संसाधनों के तेजी से खत्म होने की मुख्य वजह बढ़ती आबादी है और इस पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण पाये बगैर स्वच्छ भारत और बेटी बचाओ जैसे अभियान भी पूरी तरह सफल नहीं हो पायेंगे। जनसंख्या नियंत्रण के लिये पंचायत स्तर के चुनावों की तरह ही संसद और विधानमंडलों के चुनावों में भी दो संतानों का फार्मूला लागू कराने के लंबे समय से प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन इसमें अभी तक सफलता नहीं मिल सकी है। संसद के वर्तमान सत्र के दौरान राज्यसभा में पिछले महीने ही शिव सेना के अनिल देसाई ने जनसंख्या नियंत्रण विधेयक पेश किया था। कांग्रेस सदस्य के निजी विधेयक में कहा गया है कि दो से अधिक संतान वाले दंपति संसद, विधानमंडल और पंचायत चुनाव लड़ने या इनमें निर्वाचन के अयोग्य होंगे। ऐसे दंपति सरकारी सेवा में पदोन्नति के अयोग्य होंगे और केन्द्र तथा राज्य सरकार की समूह-क नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। यही नहीं, अगर विवाहित जोड़ा गरीबी की रेखा से ऊपर की श्रेणी में आता है तो वह किसी भी प्रकार की सरकारी सहायता प्राप्त कर नहीं कर सकेगा। प्रस्तावित विधेयक में यह प्रावधान भी है कि केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के लिये दो संतान की नीति का पालन करना अनिवार्य होगा। इसी तरह, विधेयक में सभी माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रमों में जनसंख्या नियंत्रण का विषय शामिल करने का भी प्रस्ताव किया गया है। शिव सेना के अनिल देसाई ने फरवरी महीने में दो संतानों की नीति पर अमल के लिये संविधान में संशोधन करके इसमें अनुच्छेद 47-ए जोड़ने हेतु निजी विधेयक पेश किया था। देसाई भी चाहते हैं कि छोटा परिवार-सुखी परिवार के सिद्धांत का पालन नहीं करने वालों से सारी रियायतें वापस ली जानी चाहिए।

इस संबंध में एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि पिछले साल मई में संपन्न लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद ही देश में बढ़ती आबादी का मुद्दा उठाते हुए जनसंख्या पर नियंत्रण के लिये संविधान में अनुच्छेद 47-ए जोड़ने की मांग उठी। इस मांग के समर्थन में संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिये गठित न्यायमूर्ति एम.एन. वेंकटचलैया आयोग के सुझाव का भी हवाला दिया गया। वैसे आबादी नियंत्रण के लिये 'हम दो-हमारे दो' का मुद्दा नया नहीं है। जनसंख्या पर नियंत्रण के उद्देश्य से नरसिंह राव सरकार के कार्यकाल में 79वां संविधान संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश किया गया था। इस विधेयक में प्रस्ताव किया गया था कि दो से अधिक संतानों वाला व्यक्ति संसद के किसी भी सदन या राज्यों के विधानमंडल का चुनाव लड़ने के अयोग्य था। इस समय, दो संतानों का फार्मूला पंचायत स्तर के चुनावों के लिये कुछ राज्यों में लागू है। इनमें हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और ओडीशा सहित कई राज्य शामिल हैं। परंतु हाल ही में असम में सत्तारूढ़ भाजपा की सर्बानंद सोनोवाल सरकार के एक निर्णय ने इसे अधिक हवा दे दी। राज्य सरकार ने यह नीतिगत निर्णय लिया कि असम में एक जनवरी, 2021 से दो से अधिक संतान वालों को सरकारी नौकरियां नहीं दी जायेंगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार जनसंख्या पर नियंत्रण के लिये प्रभावी कदम उठायेगी।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

लॉकडाउन में हुए अनुभवों पर किताब लिख सकता हूं: अनुपम खेर

बहुमुखी कलाकार अनुपम खेर इन दिनों चर्चा में हैं, अपने शो कुछ भी हो सकता है, को लेकर। लॉकडाउन में लोगों को उम्मीद देने के इरादे से वे अपने इस लोकप्रिय शो को अपने अपने डिजिटल पोर्टल पर लाए हैं। यहां वे अपने शो, कुछ भी हो सकता है मोमेंट, लॉकडाउन की चुनौती, सैलरी कट और जल्द ही शुरू होनेवाली शूटिंग के मुद्दे पर बात करते हैं।

आपकी जिंदगी में सबसे पहला पल कौन-सा था, जब आपको लगा कि 'कुछ भी हो सकता है'?

-मुझे मेरे माता-पिता ने बताया था कि जब मैं पैदा हुआ था, तो मुझे पैदा करने वाली एक अंग्रेज नर्स थी। उसने मेरी मां से कहा कि अभी आप सिर्फ 19 साल की हैं और आपके तो बहुत सारे बच्चे हो सकते हैं, तो यह बच्चा मुझे गोद में दे दीजिए। मैं इसको अडॉप्ट करना चाहती हूं। मेरी मां ने तो मुझे गोद नहीं दिया। पर इस बात से मुझे लगा कि मैं पैदा होते ही डिमांड में आ गया था। बाद में समझदार होने पर मुझे लगा कि अगर यह हो सकता है तो कुछ भी हो सकता है।

अपने शो कुछ भी हो सकता है को अपने डिजिटल पोर्टल पर लाने का विचार क्यों और कैसे आया?

-मैंने इसके बारे में सोचा नहीं था। मैंने 15 साल पहले यह प्ले शुरू किया था। मैं इस लॉकडाउन में एक दिन यह प्ले लगाकर देख रहा था, तब मुझे लगा कि अगर यह प्ले लोगों तक पहुंचाया जाए तो शायद कहीं न कहीं उनको एक ढांढस मिलेगा, क्योंकि आज लोग बहुत घबराए हुए हैं और काफी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। प्ले मजाकिया होने के नाते लोगों का खूब मनोरंजन भी करेगा, क्योंकि यह एक ऐसे इंसान के बारे में है, जो अपनी असफलता पर हंसता है। पर कभी उम्मीद नहीं छोड़ता है। इस लॉकडाउन में लोगों को उम्मीद देने के लिए मैं इस शो को अपनी वेबसाइट पर लाया।

लॉकडाउन के साथ आपने कैसे निबाह की?

-पॉजिटिव एटिट्यूड के साथ, मगर पॉजिटिव एटिट्यूड के लिए पॉजिटिव होना बहुत जरूरी है। अभी मैं 74 दिन से घर पर मुंबई में अकेला बैठा हूं और किरण जी (अभिनेत्री पत्नी किरण खेर) चंडीगढ़ में हैं। लॉकडाउन के पहले तक मैं खुद को बहुत ही रेस्टलेस इंसान समझता था। मुझे हर जगह जाना होता था। हर काम करना होता था। मैं एक जगह बैठ ही नहीं सकता था। मगर जब 74 दिन से मैं घर पर बैठा, वो भी अकेला, तो मुझे लगा कि मुझ में काफी संयम और ठहराव है। इस दौरान अपने आप से बहुत सारी बातें हुईं और मैंने अपने आपको काफी समझा। मैंने कुछ पॉइंट्स भी नोट किए हैं, शायद उससे कोई किताब निकलकर आए। बस अगर लॉकडाउन नहीं होता, तो मैं अपनी मां से मिल लेता, इसी बात का अफसोस है। अनिल कपूर जो मेरे अच्छे दोस्त हैं उनसे मिल लेता।

लॉकडाउन में अकेले कोई परेशानी तो नहीं हुई?

-वैसे मेरा दिन अच्छे से कट जाता है। मैं शाम 4 से 5 थोड़ा उदास महसूस करता था । इसलिए मैंने अपनी दिनचर्या बनाई हुई है। जैसे मैं सुबह जल्दी उठ जाता हूं, फिर किताबें पढ़ता हूं, एक्सरसाइज करता हूं, टीवी पर कुछ देख लेता हूं। पर मैं खबरें नहीं देखता हूं और न अखबार पढ़ता हूं। मैं अपने उन करीबी लोगों से रोज फेसटाइम पर बात करता रहता हूं। जो लोग मेरे अंदर दृढ़ता लाते हैं और मेरे स्तंभ का आधार हैं।

सरकार ने शूटिंग करने की अनुमति दे दी है। क्या कहना चाहेंगे?

-जैसा हमें कहा जाएगा, हम उसी तरह से शूटिंग करेंगे। बदलाव तो आएगा ही और सब चीज में बदलाव आया है। बदलाव पहले मुश्किल देता है फिर आदत पड़ जाती है। पहले हाथ से कपड़े धोते थे, फिर वाशिंग मशीन आई। उस वक्त मेरी मां को भी परेशानी हुई थी कि वाशिंग मशीन में कपड़े कैसे धुल सकते हैं। आज हम भूल चुके हैं कि डीमोनीटाइजेशन में कोई परेशानी हुई थी। शूटिंग में जो भी नए मानदंड बनाए जाएंगे, उनकी हमें कुछ ही समय में आदत हो जाएगी। कुछ समय में वे नॉर्मल लगने लगेंगे। हम नए निर्देशों के अनुसार शूटिंग करेंगे।

फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारों ने प्रड्यूसर्स को सहारा देने के लिए अपनी सैलरी कम करने की पहल की है,आपकी क्या राय है?

-जो चरित्र अभिनेता होते थे, वह तो उतना ही लेते थे, जितना उन्हें मिलता था। उनकी सैलरी में कभी कोई क्रांतिकारी परिवर्तन नहीं आया। हां, जिन लोगों को ज्यादा मिलता था, अगर वह कम पैसे लेंगे, तो उससे काफी फर्क पड़ेगा। मैं यही चाहता हूं कि हमारे वर्कर्स के लिए हर इंसान को अपनी हर सैलरी से थोड़ा योगदान देना चाहिए। उनका जीवन बेहतर करना जरूरी है।

एक कलाकार होने के नाते जब आप किसी खास पॉलिटिकल आइडियोलॉजी के साथ अपने विचार व्यक्त करते हैं, तो आपको नहीं लगता कि एक अदाकार के रूप में यह आपकी इमेज को आघात पहुंचा सकता है?

-कलाकार होना मेरी जिंदगी का एक अंश है न कि मेरी पूरी जिंदगी। जो मेरे विचार हैं, वह मुझसे जुड़े हैं। अगर मैं अपने विचारों के साथ नहीं जी रहा, तो मतलब मैं अपनी खुद की जिंदगी नहीं जी रहा। ऐसा दुनिया में कोई भी व्यक्ति नहीं है, जिसको सारे लोग पसंद करते हैं। मैं बस ऐसी कोई बात नहीं करना चाहता जिससे किसी का दिल दुखे। सारे लोगों को खुश करना वैसे भी बड़ा मुश्किल है, तो आपको कम से कम अपने विचारों के साथ मजबूती से खड़े रहना चाहिए।

वरुण धवन की कुली नंबर-1 में आया कोरोना वायरस का ट्वीस्ट, सोशल मीडिया पर पोस्टर रिलीज

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और सारा अली खान पहली बार एक फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। ये जोड़ी निर्माता-निर्देशक डेविड धवन की फिल्म 'कुली नंबर 1' के रीमेक में दिखाई देंगी। यह फिल्म 1 मई को रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोनोवायरस महामारी के कारण, निर्माताओं को रिलीज को स्थगित करना पड़ा। दोनों अभिनेताओं को साथ में देखने का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिलहाल अभी कुछ भी पता नहीं हैं कि सिमेनाघरों को कब खोला जाएगा और कब लाइव, एक्शन, कैमरा बोलकर फिर से खुलकर शूटिंग शुरू होगी। जिंदगी को वापस पटरी में आने में अभी वक्त लगेगा। इस बीच वरुण धवन अपने फैंस को वापस सब कुछ ठीक होने की उम्मीद दी हैं।

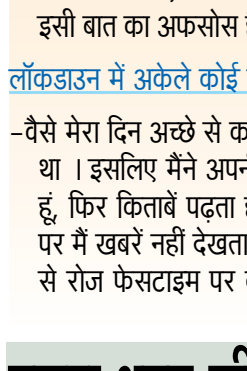

सोशल मीडिया पर वरुण धवन ने अपनी आने वाली फिल्म कुली नंबर 1 के रीमेक का एक पोस्टर जारी किया हैं। पोस्टर में आज की दुनिया की असलियत और जरूरत को दिखाते हुए वरुण धवन ने चेहरे पर मास्क लगा रखा हैं। वरुण धवन और सारा अली खान की फिल्म कुली नंबर वन में अब डायरेक्टर कुछ कोरोना वायरस ने जुड़ा कुछ ट्वीस्ट लाने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए वरुण धवन ने अपने फैंस के लिए कैप्शन में लिखा कि हम आएंगे हंसाने ये वादा रहा। लॉकडाउन के दौरान वरुण धवन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव दिखाई दिए। वरुण धवन ने इससे पहले कई तस्वीरे शेयर की हैं। उन्होंने अपनी मां के साथ भी तस्वीर शेयर की हैं। काम की बात करें तो इस साल वरुण धवन इस इस साल केलव कुली नंबर वन ही रिलीज होने वाली थी। हाल ही में वरुण धवन ने अपना जन्मदिन भी घर से ही दोस्तों के साथ ऑनलाइन बनाया।

माइथोलॉजी, रोमांस, से जुड़ी कई कहानिया

हमारे जीवन में कुछ दोस्त किसी वजह से आते हैं, वहीं कुछ मौसमी होते हैं। कुछ दोस्त ऐसे होते हैं जो ना तो किसी वजह से आते हैं और ना ही मौसमी होते हैं, लेकिन फिर भी हमारे जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। यही होते हैं, हमारे बेस्ट-फ्रेंडस फॉरएवर! इस 'बीएफएफडे' के मौके पर एंड टीवी के एटर्स ने अपने बीएफएफके बारे में बात की । कामना पाठक, एंड टीवी के 'हप्पू की उलटन पलटन की दबंग राजेश ने अपनी बीएफएफ कोमल सिरवानी के साथ एक दबंग तस्वीर शेयर की है। बेस्ट फ्रेंड के साथ उन पलों को याद करते हुए, वह कहती हैं, मेरी बीएफएफ कोमल सिरवानी है। वह तब से मेरी जिंदगी का हिस्सा हैं जब से मैं थियेटर में काम करने के लिए मुंबई आयी थी।बर्थडे वीक के दौरान कोमल मेरे लिए सरप्राइज ह्श्वलान किया करती थीं। मेरे लिए केक बनाती थीं, मेरा फेवरेट आटे का हलवा बनाती थी, मेरे लिए और अपने लिए एक जैसे कपड़े लेती थी। मुंबई मे 10 साल का यह मजेदार सफर कोमल के बिना संभव नहीं था।

शाहरुख खान ने कहा- मेरी और काजोल की जोड़ी को अबराम और आराध्या ही रिप्लेस कर सकते हैं!

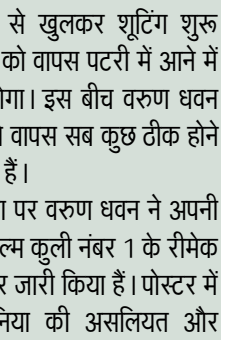

शाहरुख खान और काजोल की जोड़ी बॉलीवुड में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाले और लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन जोड़ी में से एक हैं। एक चैट शो में, शाहरुख खान से पूछा गया कि काजोल और उनकी जोड़ी को आज की कौन सी जोड़ी रिप्लेस कर सकती हैं। स्त्र्य को नए ऑन-स्क्रीन जोड़ों के बीच चयन करने के लिए कहा गया जैसे - दीपिका पादुकोण-रणबीर कपूर, रणवीर सिंह-दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट-सिद्धार्थ मल्होत्रा और फवाद खान-सोनम कपूर जो उनकी और काजोल की जगह ले सकते हैं।

शाहरुख खान से इसका जवाब काफा चौंकाने वाला दिया हैं। शाहरुख ने कहा कि इनमें से कोई भी हमारी जोड़ी को रिप्लेस नहीं कर सकता हैं। मेरी और काजोल की जोड़ी की जगह केवल उनके बेटे अबराम खान और आराध्या बच्चन ही ले सकते हैं। हालाँकि अबराम आराध्या से छोटा है, लेकिन एसआरके को लगता है कि प्यार की कोई उम्र नहीं है।

अमिताभ बच्चन ने भी अपनी प्रतिक्रिया इस पर दी हैं। उनकी एक फिल्म के एक प्रचार कार्यक्रम में, अमिताभ बच्चन को उसी पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया और उन्होंने जो कहा वह आपको विस्मित कर देगा। मेगास्टार ने कथित तौर पर कहा कि वह स्त्र्य के साथ अधिक सहमत नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी बातें सच हो सकती हैं।

आराध्या बच्चन और अबराम खान सबसे ज्यादा लोकप्रिय स्टार किड्स में से एक हैं। वे पपराज़ी से काफी फ्रेंडली हैं और हर बार जब वे बाहर निकलते हैं तो उन्हें क्लिक किया जाता है। छोटे पैर वाले ये स्टार किड्स अक्सर अपने माता-पिता के साथ शूटिंग और सैर पर जाते हैं। जहां आराध्या मम्मी ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ टैग करती नजर आ रही होती हैं, वहीं अबराम ज्यादातर समय शाहरुख खान के साथ नजर आते हैं।

वर्तमान में, बॉलीवुड अभिनेता कोरोनोवायरस महामारी और लॉकडाउन के कारण घर पर स्व-प्रतिरक्षित हैं। अपने खाली समय को अपने परिवार के साथ बिताने के अलावा, वे अक्सर सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत और मनोरंजन करते भी देखे जाते हैं।

सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर रश्मि देसाई की पलटी जुबान, प्यार में बोल डाली ऐसी बातें

टीवी स्टार रश्मि देसाई और सिद्धार्थ शुक्ला के अपसी समीकरण ने हमेशा ही खबर बनाई है। जब से उन्होंने टीवी के मशहूर शो दिल से दिल तक में देखा गया था तब से ही उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फैंस को काफी पसंद आयी थी। शो की शुरुआत में दोनों अच्छे दोस्त थे, और उनके डेटिंग की अफवाहों ने भी लोगों को चौका दिया था। हालांकि, विभिन्न कारणों से नाराजगी सामने आई और हमने बिग बॉस 13 में जो देखा वह एक रोलरकोस्टर की सवारी थी। एक सौहार्दपूर्ण शुरुआत के बाद, चीजें लगातार बिग बॉस में गड़बड़ा गईं। सिद्धार्थ शुक्ला और रश्मि देसाई ने एक दूसरे को बिग बॉस में खूब गालिया दी। रश्मि और सिद्धार्थ की शो के इतिहास में हुई लड़ाई को कौन भूल पाएगा। उनके पूर्व प्रेमी, अरहान खान भी सिद्धार्थ शुक्ला के साथ झगड़े में पड़ गए थे।

इतने झगड़े के बाद भी शो खत्म होते-होते रश्मि और सिद्धार्थ के बीच सब ठीक होते दिखाई दिया। हाल ही में रश्मि देसाई ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक लाइव चैट किया। शो में रश्मि से सिद्धार्थ शुक्ला का वर्णन करने के लिए कहा गया था।रश्मि ने सिद्धार्थ के बारे में बात करते हुए कहा कि वह 'अच्छी आत्मा' है और कहा कि वह एक हंक के शरीर में 10 साल का बच्चा था। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने ज्यादा बातचीत नहीं की लेकिन एक दूसरे के दर्द को समझ सकते हैं।

रश्मि ने कथित तौर पर कहा, 'सिद्धार्थ और मैं एक-दूसरे के दर्द को समझते थे। हम बातचीत नहीं कर सकते थे, लेकिन हमने एक-दूसरे की परवाह की।' रश्मि देसाई ने उनके झगड़े और इसकी विशेष प्रकृति के बारे में एक मजेदार खुलासा किया। उन्होंने कहा कि जब वह घर के अंदर उससे लड़ती थी, तो कोई भी उसके बीच आने की हिम्मत नहीं करता था। और अगर कोई बीच में आया, तो वह अलग हो जाएगा।

कोरोना के बीच पीपीई सूट पहनकर रकुल सिंह दिल्ली के लिए हुई रवाना, फोटो लेने पर पैपराजी को लगाई फटकार

दुनियाभर में कोरोना वायरस का कहर हैं भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा संक्रमित देशों की लिस्ट में चौथे स्थान पर आ गया हैं लगभग तीन लाख से भी ज्यादा मरीज भारत में इस समय एक्टव हैं। मौत का आंकड़ा भी लगातार बढ़ता जा रहा हैं। सभी लोग इस समय ज्यादा से ज्यादा घर में ही रह रहे हैं। 2 महीने के लॉकडाउन के बाद देश को अब अनलॉक कर दिया गया हैं। ऐसे में जिंदगी को पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही हैं। लोगो को सामाजिक दूरी और मास्क लगाकर रहने के दिशा-निर्देश दिए गये हैं। कोरोना के बढ़ते मरीजों के बाद एक में एक बार फिर से ये चर्चा की जा रही हैं कि लॉकडाउन लगाना पड़ सकता हैं। ऐसे में अब लोग जल्द से जल्द अपने अपने घरों की ओर निकल रहे हैं।

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह बृहस्पतिवार को विमान से दिल्ली जाने के लिए रवाना हुईं और वह इस दौरान पीपीई सुरक्षा कवच पहनें नजर आईं। 'दे दे प्यार दे' अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर हवाईअड्डे से अपनी तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें वह मास्क, दस्ताने और शूकवर (जूते ढ़कने वाला) पहनी हुई नजर आईं हैं। उन्होंने कोविड-19 से बचने के लिए इन सुरक्षा कवचों का सहारा लिया। देश में अब तक कोविड-19 से 8,102 लोगों की मौत हो चुकी है।

रकुल ने एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें उन्होंने हैशटैग ''मिशन दिल्ली'' लिखा। वह वीडियो में यह कहती हुई नजर आईं, ''किसने सोचा था कि ऐसा भी समय आएगा जब लोग इस तरह से यात्रा (पीपीई की तरफ इशारा) करेंगे। जूते ढकेंगे, दस्ताने और मास्क पहनेंगे।'' उन्होंने कहा कि वह हवाई अड्डे पर लक्ष्य राज आनंद से भी मिलीं। आनंद आने वाली फिल्म 'अटैक' के निर्देशक हैं। इस फिल्म में रकुल के साथ जॉन अब्राहम और जैकलीन फर्नांडीज हैं। वहीं विमान की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सभी अंतरिक्ष में जा रहे हों।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

मुश्किल परिस्थिति में धोनी का शांत स्वभाव पसंद - सैमसन

कोच्चि। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि मुश्किल परिस्थिति में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के शांत स्वभाव को वह अपनाना चाहेंगे। 25 वर्षीय सैमसन हाल के समय में भारतीय टीम से अंदर बाहर होते रहे हैं। सैमसन ने द टाइम्स आफ इंडिया से कहा, मुश्किल परिस्थितियों में धोनी का शांत स्वभाव और ध्यान, कुछ ऐसा है, जिसे मैं अपने खेल में शामिल करना चाहूंगा। साथ ही मैं बल्लेबाजी के समय में भी इसे अपनाना चाहूंगा। सैमसन ने कहा कि दिग्गज आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट और धोनी ने हाल के समय में विकेटकीपर की परिभाषा ही बदल दी है। उन्होंने कहा, आज के सभी विकेटकीपर शीर्ष बल्लेबाज हैं। आप दुनिया भर में देखते हैं कि अधिकांश कीपर बहुत अच्छे बल्लेबाज हैं। एडम गिलक्रिस्ट ने ऊपरीक्रम में और धोनी ने मध्यक्रम में विकेटकीपर के रूप में खेल को बदल दिया। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, अब विकेटकीपर का होना एक बहुत ही अच्छा शीर्ष या मध्यक्रम बल्लेबाज का होना है, क्योंकि यह टीम के अतिरिक्त गेंदबाज या ऑलराउंडर की मदद करता है।

श्रीलंका और जिम्बाब्वे का दौरा नहीं करेगी भारतीय टीम : बीसीसीआई

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कहा है कि अगस्त में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे का दौरा नहीं करेगी। वहीं, श्रीलंका क्रिकेट (SLC) ने गुरुवार को कहा था कि भारत के साथ जून में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज कोरोनावायरस के कारण स्थगित कर दी गई है। BCCI ने एक बयान में कहा, कोविड-19 खतरों को देखते हुए भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका और जिम्बाब्वे का दौरा नहीं करेगी। भारतीय टीम को 24 जून से श्रीलंका में तीन वनडे और इतने ही मैचों की टी 20 सीरीज खेलनी थी। वहीं, 22 अगस्त से जिम्बाब्वे में उसे तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी थी। BCCI ने इससे पहले, 17 मई को एक बयान जारी कहा था कि बाहर प्रशिक्षण करने को लेकर पूरी तरह से सुरक्षित होने के बाद ही बोर्ड अपने अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण के लिए कैम्प का आयोजन करेगी। स्रष्ट ने एक बयान में कहा था, भारत का जून में श्रीलंका का प्रस्तावित दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार नहीं हो पाएगा। BCCI ने श्रीलंका क्रिकेट को बताया है कि कोविड 19 महामारी की वजह से मौजूदा हालात में ये क्रिकेट सीरीज करना संभव नहीं है, जिसमें तीन मैचों की वनडे और इतने ही मैचों की टी 20 सीरीज खेली जानी थी। स्रष्ट ने भी BCCI से अनुरोध किया था कि दौरे को तय कार्यक्रम पर किया जाए। BCCI के एक अधिकारी ने आईएएनएस से 17 मई को कहा था कि जून में श्रीलंका का दौरा असंभव होगा।

स्टेडियम में भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट देखने की मंजूरी मिली, करना होगा इतने महीने इंतजार

मेलबर्न।

क्रिकेट के मैदान पर एक बार फिर से दर्शकों का जोश हावी होता नजर आ सकता है। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मौरिसन ने कोरोना वायरस पाबंदियों में और ढील देने की घोषणा की है जिसमें 40,000 लोगों की क्षमता वाले खेल स्टेडियमों को अगले महीने से 10,000 लोगों की मेजबानी की अनुमति देना शामिल है। ऐसा होने पर इस वर्ष के अंत में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज में दर्शकों की मौजूदगी की उम्मीद बढ़ गई है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री मौरिसन ने कहा कि यह बदलाव खेल, महोत्सव जैसे कार्यक्रमों में लागू होंगे। हालांकि ये स्थल अपनी क्षमता की 25 प्रतिशत सीट ही भर पाएंगे। इसके अलावा सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ख्याल रखना होगा। मौरिसन की मंजूरी देने से संभवत- अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप को भी फायदा होगा। अगर यह विश्व कप हुआ तो शायद इसके मैचों को दर्शक मिल जाएं। बता दें कि कोविड 19 के चलते क्रिकेट गतिविधियां लंबे समय से बंद थीं। अभी बीते दिनों ही वेस्टइंडीज और इंगलैंड ने इसे आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित काम किया है। वेस्टइंडीज टीम इंगलैंड पहुंच चुकी हैं जहां वह 14 दिन के लिए क्वारेंटाइन रहेंगे। आइसीसी ने इस सीरीज के लिए कुछ सख्त नियम बनाए हैं जिसे देखना दिलचस्प होगा।

कोरोना महामारी के कारण अजरबैजान, जापान और सिंगापुर स्र1 रेस रद्द

सिंगापुर। कोरोना वायरस महामारी के कारण यात्रा पाबंदियों के मद्देनजर अजरबैजान, जापान और सिंगापुर फार्मूला वन रेस रद्द कर दी गई है। एफवन ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'यह फैसला इन देशों में हमारे प्रमोटरों के सामने आ रही अलग अलग तरह की दिक्कतों के कारण लिया गया।' इसमें कहा गया, 'सिंगापुर और अजरबैजान में स्ट्रीट सर्किट बनाने में लंबा समय लगेगा जबकि जापान में यात्रा पाबंदियों के कारण रेस नहीं हो सकेगी।' इस महीने की शुरूआत में फार्मूला वन ने अपना 2020 का संशोधित कैलेंडर जारी किया था। इसमें आठ रेस में से पहली दो आस्ट्रिया में सात जुलाई को होनी थी। सत्र की शुरूआत में ही आस्ट्रेलियाई ओपन ग्रां प्री रद्द करनी पड़ी थी जब मैकलारेन टीम का एक सदस्य पॉजिटिव पाया गया। इसके बाद नीदरलैंड, मोनाको और फ्रांस रेस भी रद्द करनी पड़ी। 22 रेस का सत्र काफी छोटा रह गया था।

सरकार के प्रयासों को मंजिल तक पहुंचाने में स्टार खिलाड़ियों की अहम भूमिका : रिजिजू

मुंबई ।

केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने शुक्रवार को खेलों में भी आत्मनिर्भर बनने की बात पर जोर दिया है और कहा है कि खेलों में करियर बनाने के मौकों के लिए सफल लीग संस्कृति होना जरूरी है। रिजिजू ने भारत के टेबल टेनिस खिलाड़ी मुदित दानी के साथ चैट सीरीज द स्पॉटलाइट में कहा, आपको अपना ध्यान रखने के लिए सशक्त किया जाना चाहिए। इस देश को आत्मनिर्भर होना होगा। जब भी चुनौतियां, आपदाएं और तबाही आती हैं तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम मजबूत बनकर उभरें। मैं इस बात को सुनिश्चित करना होगा कि हमारे खिलाड़ी और प्रशिक्षक इस लॉकडाउन में ज्यादा मजबूत बने। उन्होंने कहा, स्टार खिलाड़ी लोगों को काफी अच्छे से प्रभावित करते हैं। सरकार के प्रयासों को मंजिल तक पहुंचाने में हमारे स्टार खिलाड़ियों ने अहम रोल निभाया है। मंत्री ने कहा कि लीगों को सफल होना चाहिए, ताकि खिलाड़ियों को सभी स्तर पर अच्छा करियर मिल सके। उन्होंने कहा, पहले तो खेल जिंदगी जीने का एक तरीका है, लेकिन सिर्फ यही काफी नहीं है। खेल में करियर भी होना चाहिए। खेल को आपको सम्मान, कमाई, आराम, पहचान देना चाहिए। अगर आपके पास देश में एक सफल लीग सिस्टम है- चाहे वो राष्ट्रीय स्तर पर हो या राज्य स्तर पर, इसे सफल होना चाहिए। खेल मंत्री ने कहा, लीग को सफल बनाने के लिए इसे व्यावसायिक रूप से भी सक्षम होना चाहिए। इसलिए मैं इंडियन सुपर लीग (आईएसएल), इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को बढ़ावा दे रहा हूं।

अल्टीमेट टेबल टेनिस लीग भी काफी अच्छे से आगे बढ़ रही है। अब हमारे पास मुक्केबाजी और कुश्ती लीग भी है।

संक्षिप्त समाचार

टोक्यो ओलंपिक के लिए 80 फीसदी आयोजन स्थल सुरक्षित: तोशिरो मुटो

टोक्यो । टोक्यो ओलंपिक 2020 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशिरो मुटो ने शुक्रवार को कहा कि ओलंपिक खेलों के लिए 80 फीसदी आयोजन स्थल सुरक्षित किए गए हैं। कोविड-19 महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक को 2021 तक के लिए टाल दिया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मुटो ने पत्रकारों से कहा कि नए नेशनल स्टेडियम सहित जिन आयोजन स्थलों को सुरक्षित किया गया है, उनमें दूसरे अन्य सुविधाओं को सुरक्षित करने के लिए बातचीत जारी है। मुटो ने कहा, हम समान स्थलों का उपयोग करने की कोशिश करेंगे। समायोजन अभी भी कायम है, लेकिन हम उन 80 फीसदी सुविधाओं का उपयोग करने में सक्षम हैं, जोकि हम मूल रूप से उपयोग करने वाले थे। मुटो ने आगाह किया कि इस बात की कोई गारंटी नहीं थी कि खेल 2021 में हो पाएंगे, लेकिन उन्होंने यह भी प्रतिबद्धता व्यक्त की कि टोक्यो 2020 एक सुरक्षित खेलों की मेजबानी के लिए हर सभी उपायों पर गौर करेगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई ऐसा व्यक्ति है जो वास्तव में यह वादा कर सकता है कि 2021 में ओलंपिक और पैरालंपिक किसी भी परिस्थिति में सुनिश्चित रूप से 100 फीसदी होंगे। लेकिन हमें यह प्रतिबद्धता दिखाने की जरूरत है कि हम अगले साल खेल शुरू करेंगे। जब तक हमारे पास कोविड-19 के खिलाफ पर्याप्त उपाय हैं, हम 2021 में खेलों का आयोजन सुनिश्चित करेंगे।

स्लाइवा बैन पर बोले इशांत शर्मा, प्रतिस्पर्धा बराबरी की होनी चाहिए, बल्लेबाजों के दबदबे की नहीं

मुंबई।

भारत के सीनियर तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का मानना है कि गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध से बल्लेबाजों के लिए चीजें आसान हो जाएंगी और यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि प्रतिस्पर्धा बराबरी की रहे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को कहा कि उसने कोविड-19 महामारी के चलते गेंद को चमकाने के लिये लार के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने का फैसला किया है। भारत के लिए 97 टेस्ट खेल चुके इशांत ने कहा कि अगर गेंदबाज खेल के प्रारूप में उपयोग की जाने वाली लाल गेंद को नहीं चमकायेंगे तो यह स्विंग नहीं होगी और इससे बल्लेबाजों को मदद मिलेगी। इकतीस साल के इस गेंदबाज ने स्टार स्पोर्ट्स के 'क्रिकेट कनेक्टिड' शो में कहा, 'अग हम लाल गेंद को नहीं चमकायेंगे तो यह स्विंग नहीं होगी और अगर यह स्विंग नहीं होगी तो बल्लेबाजों के लिये चीजें आसान हो जाएंगी। मुझे लगता है कि प्रतिस्पर्धा बराबरी की होनी चाहिए ना कि बल्लेबाजों के लिये फायदेमंद।

इस तेज गेंदबाज ने अभी तक 297 टेस्ट और 115 वनडे विकेट हासिल किए हैं। उन्हें लगता है कि तेज गेंदबाजों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत होगी ताकि सुनिश्चित हो कि वे लार का इस्तेमाल नहीं करें जैसा पहले

करते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि सबसे अहम चीज गेंद पर लार लगाने से बचने और गेंद को चमकाने से बचने की होगी।' उन्होंने कहा, 'हमें इसके लिए विशेष सतर्कता बरतनी होगी क्योंकि हम गेंद को चमकाने के आदी हैं विशेषकर लाल गेंद को।'

कोचिंग स्टाफ में यूनिस की मौजूदगी से हौसला बढ़ा : मिस्बाह

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिस्बाह उल हक ने कहा है कि कोचिंग स्टाफ में यूनिस खान के आने से काफी हौसला बढ़ा है। पाकिस्तान के सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाजों में शुमार यूनिस खान को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। उनकी नियुक्ति आने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए हुई है। यूनिस के अलावा पीसीबी ने पूर्व लेग स्पिनर मुश्ताक अहमद को टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इंग्लैंड दौरे के लिए शुक्रवार को पाकिस्तान टीम की घोषणा की गई। मिस्बाह ने टीम की घोषणा होने के बाद आनलाइनन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, उनकी उपस्थिति मेरे लिए प्रोत्साहन का एक बड़ा जरिया है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से हमने एक साथ बहुत क्रिकेट खेले हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कई सारे क्रिकेटरों ने मध्यक्रम में उनके साथ साझेदारी निभाई थी। इसलिए वे उन्हें बेहतर समझते हैं और जानते हैं कि वे कैसे खेलते हैं। मुख्य चयनकर्ता मिस्बाह के नेतृत्व में पाकिस्तान ने अगस्त के आखिर में इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली 29 सदस्यीय टीम का चयन किया है। उन्होंने कहा कि एक बड़ी टीम को संभालने के लिए एक मजबूत कोचिंग स्टाफ की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में हमें अपना कार्यभार प्रभावी ढंग से साझा करने की आवश्यकता है ताकि सब कुछ कवर हो सके और यह मेरे लिए एक बड़ी मदद होगी। मुश्ताक भाई भी यूनिस के साथ हैं और इसलिए इस तरह का एक स्टाफ एक बड़ी टीम की देखभाल करने में सहायक होगा।

आईओए अध्यक्ष के लिए 2021 में चुनाव नहीं लडूंगा : सुधांशु मित्तल

नई दिल्ली। भारतीय ओलम्पिक संघ (IOA) के उपाध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने एक बार फिर अध्यक्ष नरेंद्र बत्रा के साथ अपने मतभेदों को हवा दी है और अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक संघ (आईओसी) को पत्र लिख कर कहा है कि IOA अध्यक्ष के गलत कामों को उजागर होना चाहिए। मित्तल ने पहले आईओसी के एथिक्स कमिशन को पत्र लिख कहा था कि वह बत्रा को हॉकी और ओलम्पिक से बैन कर दें। इसके बाद बत्रा ने बाख को पत्र लिख मित्तल के आरोपों को गलत बताया था। अब मित्तल ने बाख को पत्र लिखा है और कहा है, बत्रा के छोटे जवाब ने उनके गलत कामों की पोल खोल दी है, चूंकि वो मेरी शिकायत को तथ्यों के साथ खारिज नहीं कर सके इसलिए उन्होंने अप्रत्यक्ष तरीके से मेरी शिकायत के उद्देश्य पर सवाल उठा दिए। उन्होंने लिखा, बत्रा द्वारा आपको भेजे गए संदेश में उन्होंने माना है कि वह हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य हैं, उनके इस कबूलनामे में भारतीय राष्ट्रीय खेल कोड - 2011 का उल्लंघन हुआ है, जिसके मुताबिक किसी भी राष्ट्रीय खेल महासंघ की जनरल एसेंबली में उन्हें वोट करने का अधिकार नहीं है।

कैफ की फील्डिंग दूसरे के लिए बनी बेंचमार्क : लक्ष्मण

हैदराबाद। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने अपने पुराने साथी और ऐतिहासिक नेटवेस्ट सीरीज के हीरो रहे बेहतरीन पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ की बेहतरीन फील्डिंग को याद किया है। लक्ष्मण ने कहा है कि कैफ की फील्डिंग ने दूसरे खिलाड़ियों के लिए बेंचमार्क तय किए। लक्ष्मण ने एक ट्वीट में लिखा, भारत के बदले हुए जमीनी स्तर के ढांचे का नतीजा मोहम्मद कैफ ने उत्तर प्रदेश की पूरी पीढ़ी को प्रेरित किया कि वह अपनी असुरक्षा की भावना को छोड़कर उच्च स्तर पर खेल सकें। उनकी फुर्तीली फील्डिंग जल्द ही दूसरों के लिए बेंचमार्क बन गई, जिसका अनुसरण हजारों लोग करने लगे। कैफ को उनकी बल्लेबाजी की अपेक्षा उनकी फील्डिंग के लिए ज्यादा जाना जाता था। वह उन खिलाड़ियों में से हैं, जिन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की फील्डिंग को बदला। जिम्बाबवे के खिलाफ आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शतक लगाने के बाद वह टीम में बने रहने को लेकर निरंतरता नहीं रख पाए।

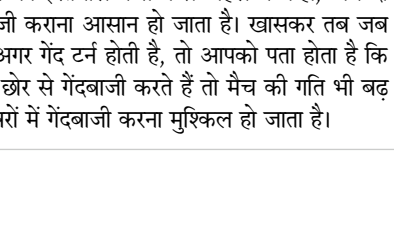

लॉकडाउन के कारण कोच और सहयोगी सदस्य गंभीर आर्थिक संकट में फंसे

मुंबई-

भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए देश में पिछले तीन महीने से जारी लॉकडाउन के कारण 'कोई आय नहीं होने' से कोच और सहयोगी सदस्य सबसे बुरी तरह प्रभावित होने वाले पेशेवरों में शामिल हैं। अकादमियों और खेल संस्थाओं के लिए कोष जुटाने के मकसद से गोपीचंद ने अर्जुन पुरस्कार विजेता एथलीटों अश्विनी नचप्पा और मालती होला के साथ मिलकर 'रन टू द मून' कार्यक्रम शुरू किया है। इसमें आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस और एनईबी स्पोर्ट्स इन खिलाडियों का सहयोग कर रहा है। गोपीचंद ने कहा, 'लॉकडाउन में पिछले तीन महीनों के दौरान लगभग कोई आय नहीं होने के कारण कोच और स्पोर्ट्स स्टाफ को सबसे ज्यादा परेशानी आई है। हम खेलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण जरूरत के लिए इस पहल का समर्थन और धन जुटाने की उम्मीद करते हैं।' कोरोना वायरस प्रसार को रोकने के लिए देश भर में 25 मार्च से लॉकडाउन लागू है। उस समय से लगभग सभी खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी है। इस दौड़ में सभी प्रतिभागियों को कुल मिलाकर 3,84,400 किलोमीटर की दूरी तय करनी है। यह दूरी धरती और चांद के बीच की दूरी है। इस दौड़ की शुरूआत 20 जून को होगी जबकि इसका समापन 20 जुलाई को होगा। इसमें देश भर के पेशेवर और गैरपेशेवर धावक हजारों की संख्या में भाग लेंगे।

दौड़ के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया 18 जून तक जारी रहेगी। इसमें हर धावक को 30 दिनों में न्यूनतम 65 किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी। पंजीकरण कराने वाले को अपने पसंद की खेल अकादमी को 100 रूपये का दान करना होगा।

भारत के लिए अगर एक भी टेस्ट खेला तो बहुत खुशी होगी : चहल

नई दिल्ली। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का मानना है कि जब वह कुलदीप यादव के साथ भारतीय टीम के लिए खेलते हैं तो बल्लेबाजों को अधिक विविधताओं से निपटना होता है। चहल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के 'वन आन वन' शो में कहा, हम दोनों कलाई के स्पिनर हैं और शुरुआती दिनों से ही एक साथ गेंदबाजी करते आ रहे हैं। जब हम एक साथ खेलते हैं तो बल्लेबाजों के पास निपटने के लिए अधिक विविधताएं होती है। अगर मैं कुछ अच्छे ओवर करता हूं तो इससे कुलदीप के छोर से भी कुछ अच्छा होगा।

चहल, कुलदीप और रवींद्र जडेजा काफी समय एक साथ भारतीय टीम के लिए खेलते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप एकमात्र स्पिनर के रूप में खेलते हैं तो आपकी जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ जाती है। साथ ही कप्तान के लिए भी यह मुश्किल हो जाता है कि वह आपके 10 ओवरों का इस्तेमाल कैसे करें। चहल ने कहा, जब दो स्पिनर खेलते हैं तो कप्तान के लिए भी 20 ओवरों की गेंदबाजी कराना आसान हो जाता है। खासकर तब जब वह जानते हैं कि उनके पास कोई अतिरिक्त गेंदबाज नहीं है। अगर गेंद टर्न होती है, तो आपको पता होता है कि आपके पास दूसरा फ्रंट लाइन स्पिनर भी है। जब स्पिनर दोनों छोर से गेंदबाजी करते हैं तो मैच की गति भी बढ़ जाती है। अगर एक ही स्पिनर होता है तो फिर से बीच के ओवरों में गेंदबाजी करना मुश्किल हो जाता है।

बाजार ने शुरुआती नुकसान की भरपाई की, सेंसेक्स 243 अंकों की तेजी के साथ बंद

मुंबई। प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स ने शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान हुई गिरावट की भरपाई की और 243 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जोरदार बढ़त और यूरोपीय बाजारों में तेजी वापस आने से बाजार को मजबूती मिली। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 1,190.27 अंक गिरकर 32,348.10 के निचले स्तर पर पहुंच गया, हालांकि बाद में जोरदार वापसी करते हुए सूचकांक 242.52 अंक या 0.72 प्रतिशत बढ़कर 33,780.89 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 70.90 अंक या 0.72 प्रतिशत चढ़कर 9,972.90 पर बंद हुआ। निफ्टी दिन के कारोबार के दौरान 9,544.35 के निचले स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स में सबसे अधिक सात प्रतिशत की तेजी एमएंडएम में हुई। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, हीरो मोटोकॉर्प, रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल), टाइटन और बजाज ऑटो भी मुनाफे में रहे। दूसरी ओर ओएनजीसी, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, इंफोसिस और कोटक बैंक में गिरावट देखने को मिली। इस दौरान आईटी शेयरों में भी दबाव देखने को मिला, क्योंकि ऐसी खबर आई कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एच-1बी सहित कई रोजगार वीजा को निलंबित करने पर विचार कर रहे हैं। शुक्रवार को समाप्त कारोबारी सप्ताह के दौरान सेंसेक्स में 506.35 अंकों या 1.47 प्रतिशत और निफ्टी में 169.25 अंकों या 1.66 प्रतिशत की कमी आई। अमेरिका में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर की आशंका के चलते डाउ जोंस में मार्च से एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट हुई, जिसके चलते एशियाई बाजारों में भी गिरावट आई। हालांकि, आरआईएल के साथ ही बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में सुधार और यूरोपीय बाजारों से सकारात्मक संकेतों के कारण घरेलू बाजार को मजबूती मिली। विश्लेषकों के अनुसार शुरुआती कारोबार के दौरान वॉल स्ट्रीट और एशियाई बाजारों से नकारात्मक संकेतों, विदेशी कोषों के बाहर जाने और कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण घरेलू शेयर बाजार में गिरावट देखी गई। इस दौरान बीएसई ऑटो, ऊर्जा, दूरसंचार, रियल्टी और बुनियादी धातु के सूचकांकों में 2.91 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई, जबकि आईटी, टेक और बिजली क्षेत्र के सूचकांकों में 1.49 प्रतिशत तक गिरावट देखने को मिली।

आरबीआई ने बैंकों के सीईओ, पूर्णकालिक निदेशकों की आयु सीमा 70 वर्ष तय करने का प्रस्ताव रखा

मुंबई, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों के प्रवर्तक समूह से संबंध रखने वाले मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और पूर्णकालिक निदेशकों की आयु सीमा 70 वर्ष और अधिकतम कार्यकाल 10 वर्ष तय करने का प्रस्ताव रखा है। यह पेशकश बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन को बेहतर बनाने की कवायद के तहत की गई है। आरबीआई द्वारा बृहस्पतिवार को जारी परिचर्चा पत्र में कहा गया है कि प्रवर्तक समूह से संबंध रखने वाले सीईओ और पूर्णकालिक निदेशकों (डब्ल्यूटीडी) को 10 साल बाद प्रबंधन का नेतृत्व पेशेवरों को सौंपना चाहिए। इस परिचर्चा पत्र पर आरबीआई ने विभिन्न हितधारकों से 15 जुलाई, 2020 तक सुझाव मांगे हैं। इसमें कहा गया है, ''बैंकों के सीईओ/ डब्ल्यूटीडी के लिए ऊपरी आयु सीमा 70 वर्ष है। इसके बाद इस पद पर कोई भी बना नहीं रह सकता है। 70 वर्ष की अधिकतम सीमा के भीतर प्रत्येक बैंक का बोर्ड आंतरिक नीति के रूप में सीईओ/ डब्ल्यूटीडी की उम्र सीमा को कम कर सकता है।'' परिचर्चा पत्र में कहा गया है कि सुसंगत प्रशासन की संस्कृति को मजबूती देने के लिए और स्वामित्व से प्रबंधन को अलग करने के सिद्धांत को अपनाने के लिए ''डब्ल्यूटीडी या सीईओ के कार्यकाल को सीमित करना जरूरी है।'' इसमें आगे कहा गया है कि किसी बैंक के प्रवर्तक/ प्रमुख शेयरधारक के लिए डब्ल्यूटीडी या बैंक के सीईओ के रूप में कामकाज को स्थिर करने और प्रबंधकीय नेतृत्व को एक पेशेवर प्रबंधन में बदलने के लिए 10 साल का समय पर्याप्त है। इससे न सिर्फ स्वामित्व से प्रबंधन को अलग करने में मदद मिलेगी, बल्कि पेशेवर प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा भी मिलेगा।

शर्तो के साथ मानव भ्रूण के निर्यात को मंजूरी: डीजीएफटी

नयी दिल्ली, सरकार ने शुक्रवार को कहा कि मानव भ्रूण, युग्मक और जनन ऊतकों का कुछ शर्तों के साथ निर्यात किया जा सकता है। इसके लिये भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से अनापत्ति प्रमाण पत्र की जरूरत होगी। एक सूत्र के अनुसार, इससे पहले इन वस्तुओं के निर्यात को लेकर कोई नीति या स्पष्टता नहीं थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, मानव भ्रूण, युग्मक, जनन ऊतकों का निर्यात भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर किया जा सकता है।'' डीजीएफटी ने कहा कि उसने निर्यात नीति (पांचवें अध्याय की दूसरी अनुसूची) के तहत मानव भ्रूण की निर्यात नीति में संशोधन किया है। यह अध्याय जानवरों के मूल से संबंधित उत्पादों के बारे में है। डीजीएफटी ने इस अध्याय में एक नयी प्रविष्टि डाली है, जिसमें मानव भ्रूण, युग्मक, जनन ऊतकों के बारे में उल्लेख है। युग्मक किसी जीव की प्रजनन कोशिकाएं हैं, जबकि जनन ऊत्तक प्राथमिक प्रजनन अंग हैं।

टाटा पावर की इकाई 21.3 करोड़ डॉली में बेचेगी तीन जहाज

नयी दिल्ली, टाटा पावर की सिंगापुर स्थित अनुषंगी 'ट्रस्ट एनर्जी रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड' (टीईआरपीएल) ने तीन जहाजों की बिक्री के लिए जर्मनी की ओल्डेंडॉर्फ कैरियर्स के साथ एक पक्का सौदा किया है। इन जहाजों की बिक्री 21.27 करोड़ डॉलर (करीब 1,613 करोड़ रुपये) में की जाएगी। टाटा पावर ने एक बयान में कहा कि इसमें ओल्डेंडॉर्फ कैरियर्स के साथ एक दीर्घावधि मालवहन समझौता भी शामिल है। ओल्डेंडॉर्फ दुनिया की सबसे बड़ी सूखे सामानों (कोयला, अयस्क, खाद्यान्न इत्यादि) का मालवहन करने वाली कंपनियों में से एक है। कंपनी ने कहा कि उसने जर्मनी की कंपनी के साथ 11 जून को यह समझौता किया है। इस बारे में टाटा पावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा कि जहाजों को बेचने की यह घोषणा हमारी कर्ज का बोझ घटाने की दीर्घावधि योजना के अनुरूप है।

कोविड-19ः कैंटाबिल ने महामारी के मद्देनजर लिया ई-वाणिज्य मंचों का सहारा

नयी दिल्ली, वस्त्र व परिधान बेचने वाली कंपनी कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर भविष्य के लिये अपनी रणनीति में बदलाव किया है। कंपनी ने इसके तहत शुक्रवार को फ्लिपकार्ट, अमेजन जैसी शीर्ष ई-वाणिज्य कंपनियों के साथ गठजोड़ किया। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि उसने देश भर में अपने 300 से अधिक स्टोर के अलावा कारोबार को ऑनलाइन माध्यमों तक विस्तृत करने की योजना तैयार की है। इसके तहत पूरे साल ऑनलाइन खुदरा मुहिमों की घोषणा की जायेगी। फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्नैपडील और पेटीएम के साथ गठजोड़ इस दिशा में पहला कदम है। कंपनी के निदेशक दीपक बंसल ने वृद्धि की रणनीति के बारे में कहा, हम ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहे हैं। हम अपने सभी ग्राहकों, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के भले के लिये हर जरूरी कदम उठाते रहेंगे। व्यावसायिक दृष्टिकोण से, हम लागत कम करने और दक्षता बढ़ाने के तरीकों का लगातार मूल्यांकन कर रहे हैं। इस महामारी ने उपभोक्ताओं के व्यवहार और मांग दोनों को प्रभावित किया है। हमें विश्वास है कि इस शुरुआत के साथ हम निश्चित रूप से मजबूत बनेंगे और भविष्य में अच्छी स्थिति में खड़े होंगे।'' कंपनी ने इस मौके पर परिधानों के नये संग्रह 'स्प्रिंग समर 2020' को भी पेश किया। इसके तहत सभी ई-वाणिज्य मंचों पर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिये फॉर्मल, कैजुअल और अल्ट्रा-कैजुअल परिधानों की श्रृंखला उतारी गयी है। यह संग्रह कंपनी के खुदरा स्टोर में भी उपलब्ध होंगे। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी शिवेंद्र निगम ने कोविड-19 के प्रभाव के बारे में कहा, ''महामारी के मद्देनजर ई-वाणिज्य खुदरा क्षेत्र के लिये एक निर्णायक भूमिका निभायेगा, क्योंकि यह बाजार के संतुलन को बनाये रखने में महत्वपूर्ण साबित होगा।'' उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के साथ-साथ स्थानीय अधिकारियों से अनुमति लेकर देश भर में ऑरेंज और ग्रीन जोन में कंपनी ने सभी स्टोर को फिर से खोल दिया है।

मामूली उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने से कारोबारी धारणा सुधरेगी : एसोचैम

नयी दिल्ली. उद्योग मंडल एसोचैम का मानना है कि सरकार द्वारा मामूली या छोटे उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का प्रस्ताव कोविड-19 संकट के मद्देनजर एक अनुकूल रणनीतिक है और इससे देश में कारोबारी धारणा को सुधारने में मदद मिलेगी। इससे पहले इसी सप्ताह वित्त मंत्रालय ने छोटे 'अपराधों' मसलन चेक बाउंस या कर्ज भुगतान में विलंब को 19 कानूनों में अपराध के दायरे से बाहर करने का प्रस्ताव किया। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने शुक्रवार को बयान में कहा, ''वित्त मंत्रालय की छोटे उल्लंघनों के लिए यह पहल कोविड-19 के मद्देनजर एक उचित प्रतिक्रिया है। इससे कारोबारी धारणा सुधारने में मदद मिलेगी। इस तरह के उल्लंघन बिना किसी गलत मंशा के होते हैं। कई बार विभिन्न कानूनों के तहत लंबी प्रक्रियाओं को पूरा करने में इस तरह के उल्लंघन हो जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि चैंबर वित्त मंत्रालय के मामूली कॉरपोरेट उल्लंघनों को अपराध के दायरे से बाहर करने के प्रस्तावों पर अपने सदस्यों और विभिन्न क्षेत्रों की राष्ट्रीय परिषदों से चर्चा करेगा। सूद ने कहा कि इस महामारी की वजह से सुधार उपायों को लेकर जो तेजी दिखाई गई है, ऐसे में हम उम्मीद करते हैं कि इस बारे में अंशधारकों के साथ विचार-विमर्श की प्रक्रिया जल्द पूरी हो जाएगी और कानून में संशोधनों को जल्द लागू किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को आत्म-निर्भर भारत अभियान के तहत घोषित उपायों को तेजी से लागू करने के कदम उठाने चाहिए। हालांकि, कृषि क्षेत्र से संबंधित सुधारों को लागू करने में तेजी दिखाई गई है। कुछ सुधारों को अध्यादेश लाकर लागू किया गया है।

भारत में 6.5 से 7% की दर से वृद्धि करने की संभावना, सुधार तेज करने की जरूरत : S&P

नयी दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था में मध्यम से दीर्घावधि में 6.5 से सात प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की संभावनाएं हैं। लेकिन इस साल लगे झटकों को देखते हुए हालात सुधाने के लिए देश को आर्थिक नीतियों और कार्यक्रमों में सुधारों को तेजी से आगे बढ़ाना होगा। यह बात वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने शुक्रवार को कही। भारत की ऋण साख को लगातार 13वें साल निवेश वर्ग की निम्नतम श्रेणी में रखने के कुछ दिन बाद शुक्रवार को एसएंडपी ने एक वेबिनार में कहा कि देश की जीडीपी वृद्धि दर में इस साल संकुचन के बावजूद उसका आर्थिक प्रदर्शन अपने समकक्षों में बेहतर रहा है। एसएंडपी के निदेशक (एवं एशिया-प्रशांत के लिए मुख्य साख विश्लेषक एंड्र्यू वुड ने कहा, ''वैश्विक अर्थव्यवस्था काफी मुश्किल दौर से गुजर रही है। इस साल अर्थव्यवस्था में संकुचन के बावजूद अपने समकक्ष बजारों के समूह में भारत का प्रदर्शन बेहतर रहा है।'' एसएंडपी ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में पांच प्रतिशत संकुचन का अनुमान लगाया है। जबकि उसे उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर सुधरकर 8.5 प्रतिशत रहेगी। हालांकि उसका कहना है कि यदि कोविड-19 संकट से अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचे को और अधिक नुकसान पहुंचता है तो वह भारत की ऋण साख और गिरा सकती है। वुड ने कहा, ''महामारी के भारत की अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहंचाने पर हम उसकी ऋण साख को निचली श्रेणी में रखने पर विचार करेंगे। इस संकट से प्रभावित होने वाला भारत अकेला देश नहीं है। हम एक अभूतपूर्व समय में हैं और भविष्य में रेटिंग तय करने के लिए सुधारों की गति और मजबूती ही सर्वोपरि होगी।'' देश में 25 मार्च से लॉकडाउन जारी है। हालांकि 4 मई के बाद से इसमें राहत दी जा रही है। लेकिन इससे देश के उद्योग धंधों की कमर तोड़ कर रख दी है। वुड ने कहा कि मध्यम से दीर्घावधि में देश में सालाना 6.5 से सात प्रतिशत की दर से वृद्धि करने की संभावनाएं हैं। ऋण साख को बरकरार रखने के लिए ऊंची वृद्धि दर अनिवार्य है। देश की अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने के लिए सुधार अहम है। उन्होंने कहा रोजगार के मामले में सुधार करना अहम होगा। जबकि असंगठित क्षेत्र को पटरी पर वापस आने में समय लगेगा।

कारोबारियों को बड़ी राहत, जीएसटी रिटर्न दाखिल करने पर ब्याज घटा

नयी दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने पांच करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले छोटे करदाताओं को राहत देते हुए फरवरी, मार्च और अप्रैल के रिटर्न दाखिल करने में देरी पर लगने वाले ब्याज को शुक्रवार को आधा कर दिया। अब इसकी दर नौ प्रतिशत रहेगी। हालांकि यह लाभ सिर्फ तभी मिलेगा, जब सितंबर 2020 तक रिटर्न दाखिल कर दिये जायेंगे। इसके अलावा जीएसटी परिषद ने मई, जून और जुलाई के लिये रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा को भी सितंबर तक बढ़ा दिया। इसके लिये कोई ब्याज या विलंब शुल्क नहीं लगेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए शुक्रवार को ये जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि जुलाई 2017 से जनवरी 2020 के दौरान शून्य कर देनदारी वाले पंजीकृत इकाइयों को जीएसटी रिटर्न देर से दाखिल करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा। सीतारमण ने कहा कि अन्य इकाइयों के लिये जुलाई 2017 से जनवरी 2020 तक की अवधि के लिये मासिक बिक्री रिटर्न दाखिल करने में देरी पर लगने वाले शुल्क को घटाकर अधिकतम 500 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी परिषद ने कोरोना वायरस महामारी के असर पर चर्चा की। इसके अलावा कुछ उद्योगों पर 'उलटे शुल्क ढांचे' (इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर) से जीएसटी संग्रह पर पड़ रहे असर को लेकर भी चर्चा की गयी। जीएसटी परिषद ने वस्त्र उद्योग में उलटा शुल्क ढांचे के बारे में भी बातचीत की। जीएसटी परिषद अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था पर निर्णय लेने वाली शीर्ष इकाई है। वित्त मंत्री ने कहा कि पान मसाला पर कर लगाने के मुद्दे पर जीएसटी परिषद की अगली नियमित बैठक में चर्चा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जुलाई में परिषद की एक विशेष बैठक होगी जिसमें चर्चा का केवल एक मुद्दा- राज्यों की क्षतिपूर्ति जरूरतों का होगा।

हिंडाल्को का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 43 प्रतिशत घटकर 668 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली. हिंडाल्को इंडस्ट्रीज का बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 43.2 प्रतिशत घटकर 668 करोड़ रुपये पर आ गया। आमदनी घटने से कंपनी के मुनाफे में गिरावट आई। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 1,178 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि जनवरी-मार्च की तिमाही में उसकी एकीकृत आय घटकर 29,624 करोड़ रुपये पर आ गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 34,255 करोड़ रुपये पर आ गई। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक सतीश पाई ने कहा, ''हमें विश्वास है कि हमारे कोबारी मॉडल और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निवेश दीर्घावधि में कारोबार को मजबूत करेगा। अभी उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, लेकिन हमारा मानना है कि भविष्य के परिचालन को रणनीतिक रूप से मजबूत कर हम अपने प्रदर्शन को बेहतर कर पाएंगे।'' कंपनी ने कहा कि विनिर्माण प्रक्रिया को जारी रखने के क्रम में देश में हिंडाल्को के चार एल्युमीनियम स्मेल्टर और उत्कल एल्युमिना रिफाइनरी ने लॉकडाउन के दौरान अपनी पूर्ण क्षमता पर काम किया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के राइट्स इश्यू के शेयर सोमवार को बाजार में होंगे सूचीबद्ध

मुंबई, देश के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के हालिया राइट्स इश्यू के शेयर सोमवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होंगे। इस तरह यह इश्यू सिर्फ 42 दिन में पूरा हो जायेगा। बीएसई ने बताया, ''रिलायंस इंडस्ट्रीज की नयी प्रतिभूतियां सोमवार यानी 15 जून, 2020 से सूचीबद्ध हो जायेंगी। बीएसई के ए समूह की प्रतिभूतियों में इसके कारोबार की अनुमति होगी।'' रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को बताया कि उसने हाल ही में पेश राइट्स इश्यू के तहत आंशिक चुकता शेयरों का शेयरधारकों के डीमैट खातों में आवंटन 11 जून को पूरा कर लिया है। कंपनी के राइट्स इश्यू की घोषणा से लेकर आवंटन में महज 42 दिन लगे। यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल मंच के जरिये पूरी हुई। कंपनी का 53,124 करोड़ रुपये का राइट्स इश्यू भारत का सबसे बड़ा राइट्स इश्यू है। यह एक गैर-वित्तीय संस्थान द्वारा पिछले दस वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा राइट्स इश्यू भी रहा। इसके तहत कंपनी को 1.6 गुना अभिदान मिला और 84 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां प्राप्त हुईं। कंपनी के राइट्स इश्यू में वैश्विक निवेशकों ने भी दिलचस्पी दिखायी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने कोरोना वायरस महामारी से जुड़ी चिंताओं के बाद भी रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश के अवसर को हाथो-हाथ लिया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, इससे रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश करने वाले एफपीआई की संख्या 31 मार्च, 2020 के 1,318 से बढ़कर 11 जून, 2020 को 1,395 पर पहुंच गयी। एफपीआई की कंपनी में हिस्सेदारी भी मार्च 2020 के अंत के 23.48 प्रतिशत से बढ़कर 24.15 प्रतिशत पर पहुंच गयी। कंपनी ने बताया कि इस इश्यू के बाद प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी अब बढ़कर 49.14 प्रतिशत पर पहुंच गयी। प्रवर्तक समूह की रिलायंस इंडस्ट्रीज में हिस्सेदारी मार्च 2020 के अंत में 48.87 प्रतिशत थी।

कोरोना के मरीजों की बढ़ती संख्या से अर्थव्यवस्था के और नीचे जाने का जोखिम : आईएचएस

नयी दिल्ली। देश में लंबे समय से जारी लॉकडाउन के चलते चालू वित्त वर्ष में जहां भारतीय अर्थव्यवस्था में मंदी आने की आशंका है वहीं लॉकडाउन में ढील के बाद कोविड-19 के मरीजों की बढ़ती संख्या से देश का आर्थिक परिदृश्य और गिरावट के जोखिम को दिखा रहा है। आईएचएस मार्किट ने शुक्रवार को कहा, ''इस लंबे लॉकडाउन का असर देश के औद्योगिक उत्पादन और उपभोक्ता व्यय दोनों पर पड़ा रहा है। वर्ष 2020 की दूसरी तिमाही अप्रैल-जून में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में तीव्र गिरावट का अनुमान है जिससे वित्त वर्ष 2020-21 में देश की आर्थिक वृद्धि दर भारी मंदी का शिकार हो सकती है।'' कंपनी ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव को लेकर अपने आकलन में यह बात कही। भारत में 25 मार्च से लॉकडाउन जारी है जो 30 जून तक रहेगा। हालांकि चार मई के बाद से लॉकडाउन के नियमों में सर्शत ढील दी गयी है। आईएचएस मार्किट ने कहा कि अन्य देशों की तुलना में लॉकडाउन नियमों में राहत देने के बाद कोविड-19 के मामलों में कमी देखी गयी। लेकिन भारत में स्थिति इसके उलट है। ऐसे में लॉकडाउन नियमों का भविष्य बहुत ज्यादा अनिश्चित है और अर्थव्यवस्था के और नीचे जाने का जोखिम बढ़ा है। सर्वेक्षण कंपनी ने कहा कि भारत में कोरोना मामले बढ़ने की वजह शहरों में जनसंख्या घनत्व अधिक होना, देश की ज्यादा आबादी और कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली होना है। आईएचएस मार्किट का कंपनियों के खरीद प्रबंधकों के बीच किया जाने वाला अप्रैल का सर्वेक्षण 'पीएमआई' लॉकडाउन के पूरे असर को दर्शाता है जिसमें कारोबारी गतिविधियां लगभग ढह जाने के संकेत मिलते हैं। कंपनी का एकीकृत उत्पादन सूचकांक अप्रैल में 7.2 अंक रहा जो सर्वेक्षण शुरू होने के साढ़े चौदह साल के इतिहास में सबसे निचला स्तर है। सर्वेक्षण दिखाता है कि कोविड-19 ने देश के विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। इससे कुल कारोबारी गतिविधियों में तीव्र गिरावट रही है।

कोविड-19 संकट के चलते दुनिया में एक अरब से अधिक लोग हो सकते हैं अत्यंत गरीबः रिपोर्ट

न्यूयॉर्क: कोविड-19 संकट के चलते दुनिया में गरीबों की संख्या बढ़कर एक अरब से अधिक हो सकती है और अत्यंत गरीब लोगों की संख्या में जुड़े 39.5 करोड़ लोगों में से आधे से अधिक लोग दक्षिण एशिया के होंगे। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण एशिया का इलाका गरीबी की मार झेलने वाला दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्र होगा। यह सब बातें किंग्स कॉलेज लंदन और ऑस्ट्रेलियन नेशनल युनिवर्सिटी के शोधार्थियों के एक अध्ययन में सामने आई हैं। यह अध्ययन संयुक्तराष्ट्र विश्वविद्यालय के वैश्विक विकासात्मक अर्थशास्त्र शोध संस्थान के एक नए जर्नल में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में कहा गया है कि मध्यम आय वर्ग वाले विकासशील देशों में बरीबी नाटकीय रूप से बढ़ेगी जो वैश्विक स्तर पर गरीबी को बढ़ाएगा। अध्ययन के अनुसार यदि 1.90 डॉलर प्रति दिन की आय को गरीबी का पैमाना माना जाए और महामारी से इसमें 20 प्रतिशत का संकुचन हो तो अतिरिक्त 39.5 करोड़ अत्यंत गरीबों की श्रेणी में आ जाएंगे। इनमें करीब आधे से अधिक लोग दक्षिण एशियाई देशों के होंगे। इसका प्रमुख कारण भारत की बड़ी आबादी का गरीब होना है। गरीबी के दलदल में फंसने वाले नए लोगों में 30 प्रतिशत यानी 11.9 करोड़ अफ्रीका के सहारा मरुस्थलीय देशों में होंगे। ऐसे में दक्षिण एशिया और पूर्वी एशिया के विकासशील देशों में फिर से गरीबों की संख्या बढ़ सकती है। इस अध्ययन के मुताबिक महामारी से उपजे संकट के चलते दुनियाभर में गरीबों की संख्या एक अरब से ऊपर पहुंच सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

बिहार चुनाव: BJP की तरह JDU भी करेगी वर्चुअल रैली, मंत्री बोले- सरकार में आए तो हर खेत को पानी

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव (Bihar Vidhansabha Chunav 2020) के लिए राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं. फिलहाल तो बीजेपी चुनावी तैयारियों में सभी दल से आगे निकलते दिख रही है. बीजेपी ने जहां वर्चुअल रैली और घर-घर जनसंपर्क अभियान की शुरूआत की है, तो वहीं, अब बीजेपी (BJP) के नक्शेकदम पर उनकी सहयोगी दल जनता दल यूनाइटेड (JDU) भी चलेगी.

दरअसल, जेडीयू ने कहा है कि, वह भी अब बीजेपी की तरह वर्चुअल रैली करेगी. रैली की तैयारी पार्टी की ओर से शुरू कर दी गई है. जेडीयू नेता और मंत्री संजय झा (Sanjay Jha) ने कहा है कि, जल्द ही रैली को लेकर ऐलान किया जाएगा. रौली को जेडीयू अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (Nitish Kumar) संबोधित करेंगे.

वहीं, जानकारी के अनुसार, विधानसभा चुनाव को लेकर जेडीयू ने गोल सेट किया है. जल संसाधन मंत्री संजय झा ने कहा है कि, 2020 में अगर राज्य में फिर से सरकार बनी, तो हर खेत को पानी पहुंचाएंगे. उन्होंने कहा कि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का प्रण अभिनेता सलमान खान (Salman Khan) के डायलॉग जैसा है. एक बार जो तय कर लेते हैं, उसे हरहाल में पूरा करते हैं. बिजली और सड़क का कमिटमेंट सरकार ने पूरा किया है.

आपको बता दें कि, 7 जून को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह (Amit Shah) ने वर्चुअल रैली के जरिए बिहार की जनता से जनसंवाद किया था. बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की यह वर्चुअल रैली काफी सफल बताई जा रही है. ऐसे में अब अन्य दल भी डिजिटल माध्यम के जरिए चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर जनता से रूबरू होना चाहते हैं. हालांकि, सीएम नीतीश कुमार लगातार जेडीयू कार्यकर्ताओं से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात कर रहे हैं.

बिजली दरों में बढ़ोतरी का भी उपभोग पर असर, बिलिंग से जुड़ी शिकायतों में भी इजाफा

जयपुर. बिजली का बिल हमेशा उपभोक्ताओं को करंट मारता दिखाई देता है लेकिन इस बार यह झटका और जोर से है. प्रदेश के अधिकतर उपभोक्ताओं ने मार्च, अप्रैल और मई के बिजली बिल जमा नहीं करवाए. ऐसे में मई महीने में जब स्पॉट बिलिंग शुरू की गई तो बिजली का बिल देखकर अधिकतर उपभोक्ताओं के होश फाख्ता हो गए. अब जयपुर, अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम के सब डिविजनल कार्यालय में शिकायतों का अंबार है.

प्रदेश में हाल ही में बिजली दरों में बढ़ोतरी हुई है, ऐसे में लॉकडाउन से ठीक पहले हुई बिजली दरों में इजाफे और तीन महीनों के बिजली बिल जमा नहीं कराने से बिजली उपभोग की राशि बेहद अधिक है. अधिकतर सब डिविजनल कार्यालयों पर उपभोक्ता शिकायत लेकर आ रहे हैं, लेकिन बिजली बिल तय यूनिट के आधार पर होने पर उन्हें राहत नहीं मिल रही है.

डिस्कॉम भी अब जून महीने के बाद वसूली का दबाव बढ़ाने की तैयारी में है. सरकारी आदेशों के तहत 30 जून तक उपभोक्ताओं को बिजली बिल से जुड़ी कई रियायतें प्राप्त है. वहीं, बिजली चोरी की शिकायतों के चलते हैं, विजिलेंस टीम भी अपनी सक्रियता बढ़ा रही है.

चौमूं: सामोद में हो रहा अवैध खनन, 300-500 रुपयों में बेची जाती है मिट्टी की ट्रॉली

चौमूं. जयपुर जिले के सामोद इलाके में वन भूमि पर रेत माफिया सक्रिय हो गए हैं. इलाके में कई स्थानों पर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है. मिट्टी का अवैध खनन होने से प्राकृतिक सौंदर्य बिगड़ रहा है.

रेत के टीले ही विदेशी मेहमानों को अपनी ओर खींचते हैं. विदेशी मेहमान इन रेत के धोरों पर ऊंट की सवारी करने के लिए हमेशा आतुर रहते हैं. साथ ही हॉलीवुड और बॉलीवुड को भी ये रेत के दौरे अपनी ओर आकर्षित करते हैं मगर आज जगहल्-जगह इस रेत के अवैध दोहन से धीरे-धीरे ये रेत के धोरे लुप्त होने के कगार पर हैं.

रेत माफिया मिट्टी का अवैध व्यापार करके एक तरफ सरकार को राजस्व का चूना लगा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ प्राकृतिक सौंदर्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है. सामोद सहित आसपास जितने भी रेत के टीले हैं, वो सभी वन विभाग और सरकारी जमीन के हिस्से आते हैं मगर प्रभावशाली लोग इस रेत को बेचने का अवैध कारोबार करते हैं.

अवैध दोहन के चलते जमीन पर हो रहे गहरे गड्ढे

जानकारी के अनुसार, कुछ प्रभावशाली लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेत भरकर बेचते हैं, जिससे राजस्थान का प्राकृतिक सौंदर्य तो घटता जा ही रहा है. साथ ही ये लोग सरकार को भी राजस्व की चपत लगा रहे हैं. मिट्टी के इस अवैध दोहन के कारण जहां रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले हुआ करते थे, आज वहां अवैध दोहन के चलते गहरे गड्ढे हो गए हैं. ग्रामीणों के अनुसार, कुछ प्रभावशाली लोग जेसीबी की सहायता से ट्रैक्टर-ट्रॉली में भर कर मिट्टी को बेच रहे हैं. प्रति ट्रैक्टर-ट्रॉली ये लोग 300 से 500 रुपये तक राशि वसूलते हैं, जिससे सरकार को लाखों रुपये की चपत लगा चुके हैं. साथ ही ये काम लगातार जारी है.

ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने से बेखौफ़ होकर मिट्टी का अवैध दोहन कर रहे हैं. सामोद के बंदौल, महामाया के रास्ते, माकड़ कुंडा, वीर हनुमानजी की खोल, नांगल भरड़ा, डेहरा सहित आसपास के कई क्षेत्रों में मिट्टी का अवैध दोहन होता है, जहां लोग जेसीबी की सहायता से मिट्टी की खुदाई कर ट्रैक्टर-ट्रॉली से मिट्टी सप्लाई का काम करते हैं.

गुजरात से झारखंड आए 1200 प्रवासी श्रमिक, सुरक्षित घर आने पर सीएम का दिया धन्यवाद

रांची. झारखंड में प्रवासी मजदूरों को लाने का सिलसिला लगातार जारी है. झारखंड देश का पहला राज्य है जहां सबसे पहले श्रमिक स्पेशल ट्रेन से प्रवासी मजदूरों को लाया गया. साथ ही झारखंड में हवाई जहाज से भी प्रवासी मजदूरों को लाने का सिलसिला जारी है.

आज गुजरात के साबरमती से श्रमिक स्पेशल ट्रेन हटिया स्टेशन पहुंची. 1200 के करीब लोग इस ट्रेन से यात्री हटिया स्टेशन पहुंचे. 100 से अधिक बच्चे भी इस ट्रेन से आए हैं. स्टेशन पर यात्रियों की सबसे पहले थर्मल स्क्रीनिंग की गई है. इसके बाद सभी लोगों को खाने पीने की सामग्री दी गई.

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए सभी को बसों से अपने गृह जिला भेजा गया. इस ट्रेन से सबसे अधिक गोड्डा ओर सिमडेगा के श्रमिक घर लौटे हैं. श्रमिकों ने सुरक्षित घर लाने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया.

कई श्रमिकों ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि लॉकडाउन की वजह से उनका काम वहां बंद हो चुका था जिससे खाने पीने की भी दिक्कत हो गई थी. उनके पास पैसे नहीं थे इसलिए घर लौट जाना ही उचित समझा और फिलहाल अभी वापस लौटने का इरादा नहीं है. खासकर जब तक सबकुछ ठीक नहीं हो जाएगा.

राज्यसभा चुनाव: कांग्रेस का हल्ला बोल, CM गहलोत बोले- BJP के विधायक भी हमारे साथ

जयपुर. राज्यसभा चुनाव से पहले ही राजस्थान में सियासी गर्माहट तेज हो गई है. वहीं, बीजेपी के आरोपों का जवाब देने के लिए साथ ही राज्यसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर होटल जेडब्ल्यू मैरियट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रेस वार्ता भी कर रहे हैं.

इस प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे, संगठन महासचिव वेणुगोपाल राव, पीसीसी चीफ सचिन पायलट और ऑब्जर्वर रणदीप सुरजेवाला मौजूद हैं.

बीजेपी पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस का कुनबा मजबूत है. निर्दलीय विधायकों का समर्थन हमारे साथ है. बीजेपी के विधायक हमारे साथ आ चुके हैं. सीपीएम के विधायकों का भी हमें समर्थन मिलेगा.

इस दौरान रणदीप सुरेजवाला ने कहा कि कोरोना महामारी से लड़ने में राजस्थान में अग्रणी साबित हुआ. केंद्र सरकार को भी राज्य का भीलवाड़ा मॉडल देश में लागू करना पड़ा. यह राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के नेतृत्व में संभव हो पाया. मनरेगा के कार्य में राजस्थान अग्रणी रहा है.

राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की प्रेस वार्ता में उप-मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में सभी विधायक एकजुट हैं. यह बाड़े बंदी नहीं है केवल बैठक के लिए विधायकों को एकजुट किया है. सभी विधायकों ने कहा है- कोई कितनी भी कोशिश कर ले, राज्यसभा में संख्या बल से कहीं अधिक बहुमत मिलेगा. कोरोना महामारी में राजस्थान सरकार ने बेहतर काम किया है. मनरेगा में 51 लाख लोग राजस्थान में काम कर रहे हैं.

आजमगढ़ में दलितों पर हुए हमले के मामले में सख्त CM योगी, रासुका लगाने का दिया आदेश

आज़मगढ़ में लड़कियों के साथ छेड़खानी के विरोध में दलितों पर हुए हमले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद सख्त हो गए हैं. सीएम योगी ने अपराधियों पर रासुका लगाने के आदेश दिए हैं.

लखनऊ. आज़मगढ़ में लड़कियों के साथ छेड़खानी के विरोध में दलितों पर हुए हमले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद सख्त हो गए हैं. सीएम योगी ने अपराधियों पर रासुका लगाने के आदेश दिए हैं. उन्होंने कहा कि कहीं भी सांप्रदायिक या जातीय घटना हुई तो इंस्पेक्टर और सीओ के ख़िलाफ़ कार्रवाई होगी. एसपी मामले को लेकर जवाबदेह होंगे.

आपको बता दें कि ट्यूबेल पर पानी लेने जा रही दलित बालिकाओं से छेड़खानी की गई थी. विरोध करने पर आरोपियों ने दलितों को बुरी तरह से पीटा था. इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई.जिसके बाद कार्रवाई ना होने के बाद मामले ने तूल पकड़ा और सीएम योगी तक जा पहुंचा.

इस मामले में सीएम योगी की सख्ती के बाद महराजगंज थाना प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया है.

जबकि परवेज, फैजान, नूरआलम, सदरे आलम समेत 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. वहीं फरार सात आरोपियों पर 25 - 25 हजार का ईनाम घोषित किया गया है.

बिहार में पीएम की चिट्ठी लेकर घर-घर पहुंच रहे बीजेपी नेता, अभियान की हुई शुरुआत

बिहार में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पत्र की प्रतियां लेकर लोगों के घर-घर पहुंचे और मोदी सरकार-2 की एक साल की उपलब्धियों का बखान किया.

पटना. बिहार में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पत्र की प्रतियां लेकर लोगों के घर-घर पहुंचे और मोदी सरकार-2 की एक साल की उपलब्धियों का बखान किया. पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने इस जनसंपर्क महाअभियान की शुरुआत की. इस मौके पर उनके साथ विधायक नितिन नवीन भी साथ रहे.

डॉ जायसवाल ने कहा, तीन दिनों तक चलने वाले हर घर बीजेपी अभियान का पहला दिन अभूतपूर्व रहा. इस मौके पर प्रधानमंत्री का पत्र तथा बीते एक साल में केंद्र सरकार द्वारा किए गए कामों से संबंधित पुस्तिका का वितरण किया.

उन्होंने कहा, "हमारे इस इस अभियान का मकसद यही है कि हम अपनी बातों को जनता के पास रखें और उनके सुझावों और विचारों को एकत्रित कर केंद्रीय नेतृत्व के पास भेजें." पूरे बिहार में इस कार्यक्रम को समर्थन मिलने का दावा करते हुए उन्होंने कहा, "हमारे इस अभियान को मिल रहा यह अभूतपूर्व जनसमर्थन वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी जी के सबल नेतृत्व और केंद्र सरकार द्वारा बीते 6 वर्षों में हासिल की गई ऐतिहासिक उपलब्धियों का परिणाम है. कांग्रेस के कारण लोगों के मन में जो नाउम्मीदी बस गई थी, मोदी सरकार ने उनमें एक नई आशा का संचार किया है."

कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए डॉ. जायसवाल ने कहा, "बिहार बीजेपी के सभी कार्यकर्ताओं से मेरी अपील है कि अधिक से अधिक लोगों के घर जाकर इस अभियान को सफल बनाएं. यह कार्यक्रम 13 जून तक चलेगा, जिसके बाद 14 जून को इस कार्यक्रम को महाअभियान की शक्ल देते हुए प्रत्येक बूथ के हमारे सप्तऋषि व सभी कार्यकर्ता कम से कम 25 घरों तक प्रधानमंत्री जी की चिट्ठी और उपलब्धियों का पत्रक पहुंचाएंगे."

उन्होंने कहा कि इसके अलावा लोगों के सुझावों को भी एकत्रित किया जाएगा, जिसे एक साथ पार्टी केंद्रीय नेतृत्व को भेजेगी.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी में अधेड़ की मौत के बाद सामने आई संवेदनहीनता, कूड़े गाड़ी में डालकर ले गए शव

उतरौला। इसे संवेदनहीनता कहें या कोरोना का भय पर यह मानवता को शर्मसार करने वाली है। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक अधेड़ अनवर अली की मौत हो गई। तहसील गेट पर गश खाकर गिरे अनवर की मौके पर ही मौत हो गई। हद तो तब हो गई जब दो घंटे तक उसका शव वहीं पड़ा रहा। बाद में लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद नगर पालिका कर्मियों ने अनवर के शव को कूड़ा फेंकने वाली गाड़ी पर लादकर थाने पहुंचा दिया। बाद में पंचनामा कर उसका शव परिजनों को दे दिया गया। सहजौरा निवासी अनवर अपने निजी काम से उतरौला आया था। अपना काम खत्म कर वह किसी जानकार से मिलने तहसील पहुंचा। दिन में लगभग ढाई बजे तहसील गेट पर वह अचानक गश खकर गिर पड़ा और तत्काल उसकी मौत हो गई। मौत का कारण दिल का दौरा पड़ना बताया जा रहा है। उसका शव दो घंटे तक वहीं पड़ा रहा। बाद में पुलिस की मौजूदगी में नगर पालिका कर्मियों ने अधेड़ के शव को कूड़ा फेंकने की गाड़ी पर लादकर कोतवाली तक पहुंचाया। खबर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन ने एक उपनिरीक्षक और दो कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही नगरपालिका के चार संविदाकर्मियों को भी बर्खास्त कर दिया गया है। बताया जाता है कि जब अनवर तहसील गेट पर चकराकर गिरा तो वहां लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई। लेकिन किसी ने उनकी कोई मदद नहीं की। बाद में कुछ लोगों ने अधेड़ के बेहोश पड़े होने की सूचना स्वास्थ्य विभाग को दी। शाम करीब पांच बजे नगर पालिका की कूड़ा ढोने वाली गाड़ी तहसील गेट पहुंची। वहां एक उपनिरीक्षक व दो आरक्षी मौजूद थे। गाड़ी के साथ चार नगर पालिका कर्मी भी आए थे। पुलिस की मौजूदगी में नपाप कर्मियों ने शव को गाड़ी पर लाद लिया और थाने चले गए।

कोरोना देश में भारत दुनिया का चौथा सबसे संक्रमित देश बना

एक दिन में स्पेन और ब्रिटेन को भी पीछे छोड़ दिया; देश में अब 2.98 लाख मामले

नई दिल्ली।

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2 लाख 98 हजार 238 हो गई है। लगातार दूसरे दिन 11 हजार से ज्यादा मरीज बढ़े और रिकॉर्ड 393 लोगों की जान गई। ये आंकड़े covidv~india.org के आधार पर हैं। इसके अलावा भारत मरीजों के मामले में स्पेन (2.89 लाख) और ब्रिटेन (2.91 लाख) से आगे निकल गया। अब हम दुनिया में चौथे नंबर पर आ गए हैं।

फिलहाल, टॉप-7 संक्रमित देशों में अमेरिका, ब्राजील, रूस, भारत, ब्रिटेन, स्पेन और इटली हैं। लेकिन रिकवरी रेट में भारत अभी अमेरिका से बेहतर है। यहां मरीजों के ठीक होने की दर 39.12 प्रतिशत है। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, भारत में रिकवरी रेट बढ़कर 49.21 प्रतिशत हो गई है।

ब्राजील में 51.14 प्रतिशत, रूस में 51.97 प्रतिशत, इटली में 72 प्रतिशत रिकवरी रेट है। ब्रिटेन और स्पेन ने कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों का आंकड़ा जारी नहीं किया है। इस वजह से इन दोनों देशों का रिकवरी रेट पता नहीं चल सका है।

ब्राजील में 51.14 प्रतिशत, रूस में 51.97 प्रतिशत, इटली में 72 प्रतिशत रिकवरी रेट है। ब्रिटेन और स्पेन ने कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों का आंकड़ा जारी नहीं किया है। इस वजह से इन दोनों देशों का रिकवरी रेट पता नहीं चल सका है।

महाराष्ट्र और दिल्ली में रिकॉर्ड मरीज बढ़े

गुरुवार को महाराष्ट्र और दिल्ली में एक दिन में सबसे ज्यादा संक्रमित मिले। महाराष्ट्र में 3607 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई और 152 ने जान गंवाई। यहां कुल 97 हजार 648 मरीज हो गए। वहीं दिल्ली में 1877 मरीज मिले और 101 मौते हुईं। इसी के साथ राजधानी में संक्रमितों की संख्या 34 हजार 687 हो गई। दिल्ली में अब तक कोरोना से 1085 लोग दम तोड़ चुके हैं। चीफ जस्टिस एसए बोबड़े ने गुरुवार को कोरोना संक्रमितों के इलाज में बरती जा रही लापरवाही और अस्पतालों में शवों का प्रबंधन ठीक ढंग से नहीं होने पर संज्ञान लिया। शुक्रवार को जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एमआर शाह की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट लॉकडाउन में कामगारों की सैलरी को लेकर भी अहम फैसला सुनाएगा। दरअसल, गृह मंत्रालय ने कर्मचारियों को लॉकडाउन के दौरान 54 दिन की पूरी सैलरी देने का आदेश दिया था। इसे निजी कंपनियों ने चुनौती दी है।

कोरोना सर्वाइवर ने बनाया स्क्रीनिंग सिस्टम-हैदराबाद में कोरोना को मात देने वाले एनआरआई पुन्ना रेड्डी ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित स्क्रीनिंग सिस्टम बनाया है। यह सिस्टम ज्यादा तापमान वाले लोगों की पहचान कर सकता है। यह सिस्टम मास्क न पहनने वाले लोगों की जानकारी भी दे सकता है। इस सिस्टम को हैदराबाद और सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर इंस्टाल किया गया है। इससे एक सेकेंड में 30 लोगों की स्कैनिंग हो सकती है। रेड्डी ने कहा- मैं बिजनेस ट्रिप पर भारत और संक्रमित हो गया। 17 दिन अस्पताल में गुजारे। इसी दौरान ऐसा सिस्टम डिजाइन करने का विचार आया।

छोटे करदाताओं के लिए राहत का एलान, ये रहे आज के बड़े फैसले

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने GST Council की 40वीं बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अहम जानकारियां दीं। उन्होंने कहा कि माल एवं सेवा कर को लेकर निर्णय करने वाली शीर्ष संस्था GST Council ने कोविड-19 के प्रभावों को लेकर चर्चा की। वित्त man©न्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह को प्रभावित करने वाले इन्वर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। सीतारमण ने कहा कि छोटी कंपनियों के लिए विलंब से जीएसटी रिटर्न दाखिल करने पर ब्याज को घटाकर आधा कर दिया है। ऐसी कंपनियों को लेट से जीएसटी फाइल करने पर नौ फीसद की दर से ब्याज देना होगा। छोटी कंपनियों को मई से जुलाई के बीच जीएसटी रिटर्न दाखिल करते समय किसी तरह का विलंब शुल्क नहीं देना होगा। जीएसटी काउंसिल क्षतिपूर्ति सेस को लेकर जुलाई में चर्चा करेगी। इसके अलावा एक जुलाई, 2020 से 31 सितंबर, 2020 के बीच रिटर्न दाखिल करने वालों के लिए यह लागू होगा। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद की बैठक में जुलाई 2017 से जनवरी 2020 की अवधि के त्स्ज्ञ्क्र

3क्क के लिए विलंब शुल्क में कमी की गई है। जिन पर किसी तरह की कर जवाबदेही नहीं है, उन्हें किसी तरह का विलंब शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी। त्स्ज्ञ्क्र-3क्क को लेट से फाइल करने के अधिकतम शुल्क के लिए 500 रुपये की सीमा तय की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को अहम जानकारी देते हुए कहा कि जुलाई 2017 से लेकर जनवरी 2020 तक के बहुत सी रिटर्न फाइलिंग लंबित है। ऐसे में जिन लोगों की कोई कर जवाबदेही नहीं है लेकिन जिन्होंने रिटर्न नहीं भरा है, उनसे किसी तरह का विलंब शुल्क नहीं लिया जाएगा।

अमेरिका ने बना ली कोरोना की दवा? एंटीबॉडी से तैयार ड्रग का जल्द होगा परीक्षण

नई दिल्ली। अमेरिकी कंपनी एली लिली ने दावा किया है कि उसने कोरोना से ठीक हो चुके मरीज के खून से दो तरह की दवा बना ली है। एंटीबॉडी से तैयार इन दवाओं का इंसानों पर परीक्षण चल रहा है और काफी सकारात्मक संकेत मिले हैं। कंपनी ने तीसरी दवा भी बनाई है जिसका जल्द इंसानी परीक्षण किया जाएगा।

शोधकर्ता और मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी डैनियल स्कोव्रोन्स्की ने कहा कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो सितंबर तक दवा आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि दुनिया में पहली बार एंटीबॉडी दवा विकसित की गई है। कनाडा और चीन के वैज्ञानिक इस पर लंबे समय से शोध कर रहे थे। एलवाई-सीओवी555 और जेएस 016 नाम की यह दवा वायरस के बाहरी नुकीले हिस्से को ब्लॉक कर देती है जिससे वह शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं तक नहीं पहुच पाता और नुकसान भी नहीं होता। यह पहली दवा है जिसके जरिए कोरोना के स्पाइक प्रोटीन की संरचना को

● यूनिवर्सिटी में आंतरिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर और शोधकर्ताओं में से एक आहन जून होंग ने बताया कि इन निष्कर्षों से मरीजों की सही पहचान करने और उन्हें तुरंत इलाज करने में काफी मदद मिलेगी।

निष्क्रिय किया जा सकता है। कोविड के उपचार में इस्तेमाल की जा रही एंटी मलेरिया, एंटी टीबी दवा के मुकाबले नई दवा ज्यादा प्रभावी है। यह दवा 'मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज' श्रेणी की ड्रग है, इसका इस्तेमाल कैंसर, अर्थराइटिस के इलाज में किया जाता है।

इधर, दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने उन स्थितियों की पहचान की है, जिनसे कोरोना मरीजों में खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यहां तक उनकी जान भी चली जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर मधुमेह, बुखार, शरीर में ऑक्सीजन की कम मात्रा और हृदय में चोट पर नजर रखी जाए तो काफी हद तक मरीजों को बचाया जा सकता है। कोरिया की मेडिकल सेंटर यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का यह अध्ययन कोरियन मेडिकल साइंस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यूनिवर्सिटी में आंतरिक चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर और शोधकर्ताओं में से एक आहन जून होंग ने बताया कि इन निष्कर्षों से मरीजों की सही पहचान करने और उन्हें तुरंत इलाज करने में काफी मदद मिलेगी।

डॉक्टरों ने अस्पताल में आए 110 मरीजों पर शोध किया, इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग थे। वैज्ञानिकों ने पाया कि जिन मरीजों में मधुमेह, बुखार, शरीर में कम ऑक्सीजन और हृदय में तकलीफ जैसी शिकायत थी, ऐसे 23 मरीजों की हालत लगातार खराब होती गई। तुरंत इलाज मिलने पर ये ठीक हो सकते हैं।

महाराष्ट्र, दिल्ली समेत सात राज्यों से बढ़ा कोरोना संक्रमण का संकट, रफ्तार तेज

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामरी का संक्रमण वैसे तो देश के कई राज्यों में बढ़ रहा है लेकिन महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर और उत्तर प्रदेश में इसकी रफ्तार काफी तेज है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों की पड़ताल करने पर पता चला कि बीते 10 दिनों में इन राज्यों में बड़ी संख्या में नए मामले सामने आए हैं। दिल्ली में 15 दिन पहले जहां रोजाना करीब एक हजार मामले आते थे, वहीं अब औसतन 1300 मामले रोज दर्ज किए जा रहे हैं। गुरुवार को तो 1500 का आंकड़ा भी पार हो गया। तमिलनाडु में जहां 700-800 से मामले आते थे अब रोजाना 1300 से ज्यादा केस आने लगे हैं और गुरुवार को तो र्ड 1927 मामले दर्ज किए गए। हरियाणा में तो तीन गुना जबकि जम्मू-कश्मीर में दोगुना उछाल आया है। देश के सात राज्यों में इस समय 10 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। इसके साथ ही यूपी देश में सबसे ज्यादा संक्रमित राज्यों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है।

हरियाणा में महज चार दिन में 28 मरीजों की मौत- हरियाणा में कोरोना का कहर बढ़ता जा रहा है। सात जून तक जहां राज्य में कोरोना से सिर्फ 24 मौत हुई थी लेकिन 11 जून को यह आंकड़ा 52 तक पहुंच गया।

यूपी में दो दिन में रिकॉर्ड मौतें दर्ज की गईं-यूपी में कोरोना वायरस की महामारी से 31 मई तक 201 लोगों ने जान गंवाई थी लेकिन गुरुवार तक 321 लोग दम तोड़ चुके थे। बीते दो दिनों में रिकॉर्ड मौतें वहां दर्ज की गई हैं। दिल्ली में कोरोना वायरस के संक्रमण से जहां 31 मई तक 416 लोगों ने दम तोड़ा था लेकिन गुरुवार को यह संख्या 984 तक पहुंच गई।

कोरोना संकट के बीच यात्री सुविधा केंद्रों से मिलेंगे 20 लाख रोजगार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार कोरोना महामारी के संकट काल में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे के किनारे विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के जरिए स्थानीय विकास और बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने की योजना पर काम कर रही है। इसके तहत सरकार ने आने वाले समय में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 20 लाख युवाओं को रोजगार देने का रोडमैप तैयार किया है। इसमें ग्रामीणों की रीढ़ माने जाने वाले हथकरघा-हस्तशिल्प उद्योग को रफ्तार देना भी शामिल है।

सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने गत दिवस दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे परियोजना के किनारे 80 से अधिक यात्री सुविधा केंद्र बनाने के लिए बैठक की है, जबकि एक्सप्रेस-वे पर टाउनशिप, स्मार्ट

विजेल, इकोनॉमिक हब, लॉजिस्टिक पार्क को लेकर कानूनी राय ली जा रही है। मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी अड़चन आने पर कैबिनेट नोट बनाकर मंजूरी ली जाएगी। उन्होंने बताया कि देश के दूसरे एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे चरणबद्ध तरीके से कुल 2,000 यात्री सुविधा केंद्र बनाने का प्रस्ताव तैयार है। पहले इनकी संख्या एक हजार मात्र थी लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को तेज करने के लिए सुविधा केंद्रों की संख्या बढ़ा दी गई है।

स्थानीय खानपान संस्कृति को बढ़ावा-अधिकारी ने बताया कि 80 फीसदी सुविधा केंद्र पीपीपी मोड व 20 फीसदी निजी भूमि मालिकों व डेवलपरों के जरिए बनाए जाएंगे। सुविधा केंद्र पांच एकड़ से कम व पांच एकड़ से अधिक भूमि पर बनाने का प्रस्ताव है। सुविधा केंद्रों को स्थानीय खानपान संस्कृति, फल-सब्जी, हथकरघा व हस्तशिल्प आदि के लिए नए बाजार के रूप में विकसित किया जाएगा जिससे क्षेत्र का विकास होगा और बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। सरकार योजना को सफल बनाने में निवेशकों, डेवलपर, कॉरपोरेट व अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को सभी प्रकार की मदद करेगी।

पर्यटकों के लिए सभी इंतजाम होंगे-प्रत्येक 50 किलोमीटर पर बनने वाले सुविधा केंद्रों पर सड़क यात्री व देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए सभी इंतजाम होंगे। इसमें मोटल, रेस्त्रां, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडेड रेस्त्रां-कियोस्क, मेडिकल स्टोर, जनरल स्टोर, कार पार्किंग, बैटरी चार्जर, शौचालय, एटीएम, रिपेरिंग शॉप, फूड कॉर्नर, पिज्जा हट, जनरल सुपर बाजार, वाहन सर्विस सेंटर, मैकेनिकल-इलेक्ट्रिकल रिपेयर शॉप, स्पेयर शॉप, टूरिस्ट सूचना केंद्र आदि होंगे। व्यावसायिक वाहनों ट्रक-बस के चालक, सहायकों के लिए आराम करने के लिए अगल व्यवस्था होगी।

'आठ चिताएं जल रहीं, छह की तैयारी....'

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के चलते दिल्ली के श्मशान गृह और कब्रिस्तान के सामने खामोशी पसरी है। कोविड शवों के लिए निर्धारित श्मशान भूमि के अंदर अंतिम संस्कार किए जा रहे हैं। कोरोना के चलते होने वाली मौत के चलते जहां आईटीओ स्थित कब्रिस्तान में जगह कम पड़ने की बात कही जा रही है तो वहीं, पंजाबीबाग श्मशान भूमि में दिनभर दाह संस्कार चल रहा है।

आठ चिताएं जल रही थीं, छह की तैयारी थी

पंजाबीबाग श्मशान भूमि के बाहर सन्नाटा छाया हुआ था। इक्का-दुक्का परिजन बाहर खड़े हैं। गुरुवार की दोपहर यहां आठ चिताएं जल रही थीं, जबकि पांच-छह चिताएं और तैयार की जा रही थीं। दिल्ली में पंजाबीबाग श्मशान भूमि को कोविड मरीजों के दाह संस्कार के लिए चिह्नित किया गया है। यहां सीएनजी की दो भट्ठियां हैं, जबकि लकड़ी की चिता के लिए साठ प्लेटफार्म बने हुए हैं। श्मशान भूमि के एक कर्मचारी ने बताया कि हर दिन यहां 50 से ज्यादा शव आ रहे हैं। लकड़ी की चिताओं पर दाह संस्कार की तैयारी तो हर समय मौजूद है, लेकिन सीएनजी में एक शव को डेढ़ घंटे का समय लगता है। हालांकि इसके बारे में अस्पताल से ही फोन करके तय कर लिया जाता है।

बाहर पीपीई किट और दस्ताने पड़े हैं- कोविड मरीजों के शव को यहां लाए जाने का असर श्मशान भूमि के बाहर भी देखने को मिल रही है। श्मशान भूमि के बगल में मौजूद ढलावघर में पीपीई किट, दस्ताने जैसा कचरा पड़ा हुआ है। बाहर लगे दो कूड़ेदानों में भी इसी तरह का कचरा भरा हुआ है।

जल्दी संस्कार के लिए ज्यादा लकड़ी

कोंडली नहर और गाजीपुर डेयरी फार्म के समीप गाजीपुर श्मशान घाट के 12 प्लेटफार्म को कोरोना संक्रमण से हो रही मौतों के लिए अधिकृत किया गया है। यहां के एक कर्मचारी ने बताया कि दाह संस्कार जल्दी हो सके इसके लिए 50 किलोग्राम लकड़ी चिता पर अधिक दी जा रही है।

कोरोना से हुई मौत के बाद गुरुवार को यहां दो शव पहुंचे। दोनों शवों का कोविड-19 के लगे बोर्ड के समीप ही अंतिम संस्कार किया गया। इनमें से एक चिता का अंतिम संस्कार हो चुका था, जबकि दूसरी चिता का संस्कार चल रहा था। गाजीपुर श्मशान घाट के प्लेटफार्म 25 से 36 तक कोविड से हो रही मौतों के लिए रखा गया है। बताया कि कोरोना से हो रही मौतों के अंतिम संस्कार के लिए 50 किलो लकड़ी फालतू दी जा रही हैं ताकि चिता का जल्द से जल्द संस्कार हो सके। गाजीपुर श्मशान घाट बुधवार से कोरोना शवों के संस्कार के लिए घोषित किया गया है। यहां दो दिन में पांच शवों का संस्कार किया गया।

इंतजाम से दोगुनी संख्या में पहुंच रहे मृतकों के शव

कोरोना से मौत के आंकड़ों के साथ ही शमशान घाटों पर भी दवाब बढ़ गया था। दिल्ली के सबसे बड़े शमशान घाट में शामिल निगम बोध घाट पर सीएनजी से कोरोना संक्रमित मरीजों का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। घाट पर एक दिन में 18 शवों की सीएनजी से अंतिम संस्कार की व्यवस्था थी, लेकिन रोज करीब 30 से 32 शव पहुंच रहे थे, जिससे यहां व्यवस्था भी बिगड़ने लगी। घाट पर सभी व्यवस्थाओं की देखरेख करने वाले सुमन कुमार गुप्ता ने बताया कि घाट पर सीएनजी की तीन मशीन लगीं हैं।

उन्होंने बताया कि संस्कार करने के दौरान तीनों मशीनें लगातार काम कर रही हैं, क्योंकि एक शव के अंतिम संस्कार में करीब दो से ढाई घंटे का समय लगता है। ऐसे में एक दिन में 18 शवों के ही संस्कार हो पाते हैं। जब से सरकार ने लकड़ियों से कोरोना संक्रमितों के संस्कार करने का आदेश पारित किया है, तब से कुछ राहत मिली है। आम दिनों में अंतिम संस्कार के लिए 40 से 45 शव आते थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 80 से 85 शव तक जा पहुंची है। ऐसे में अलग-अलग व्यवस्था की गई हैं।

तीन गुना गहरी कब्र खोदनी पड़ रही

दिल्ली में यदि कोरोना संक्रमण से मृतकों की संख्या बढ़ती जाजदीद कब्रिस्तान अहले इस्लाम के मैनेजिंग कमेटी में असिस्टेंट सेक्रेटरी एडवोकेड मसरूर हसन ने बताया कि हमारे यहां कब्रिस्तान में एक अप्रैल से अब तक 235 बॉडी दफनाने के लिए आई हैं। यदि इसी तरह मृतकों के शव आए तो जगह कम पड़ जाएगी। उन्होंने बताया कि कोरोना शवों को दफनाने के लिए 15 फुट का गड्ढा खोदना पड़ता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में अनलॉक में दिशानिर्देश का उल्लंघन करने पर 3 डायमंड फैक्ट्रियों पर जुर्माना

क्रांति समय

सूरत, कोरोनाकाल में लॉकड. ाउन खत्म होने के बाद अनलॉक की शुरुआत के साथ ही इस घातक वायरस के संक्रमण में तेजी से उछाल देखने को मिला है। गुजरात में तेजी से ये मामले बढ़ रहे हैं

और अब सूरत की तीन डायमंड फैक्ट्रियों पर कोरोना वायरस की गाइडलाइन्स का उल्लंघन करने का जुर्माना लगाया गया है।

ये फैक्ट्रियां नियमों का उल्लंघन कर बड़ी संख्या में कर्मचारियों से काम करवा रही थीं।

आपको ज्ञात हो कि पिछले कुछ दिनों में सूरत में कई डायमंड फैक्ट्री में काम करने वाले लोग कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए हैं।

ऐसे में प्रशासन की ओर से बाकी फैक्ट्रियों में चेकिंग की जा रही थी,

इसी दौरान तीन फैक्ट्रियों में नियमों का उल्लंघन होता हुआ पाया गया।

सूरत की अमृत जेम्स, भगवती जेम्स और श्रीजी डायमंड्स पर गाइडलाइन्स का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

बीते कुछ दिनों में सूरत की अलग–अलग डायमंड फैक्ट्री में काम करने वाले करीब 11 कर्मचारी कोरोना वायरस पॉजिटिव मिले हैं।

इनका इलाज यहां के न्यू सिविल अस्पताल में चल रहा है, जबकि सभी के परिवारवालों को क्वारनटीन कर दिया गया है। आपको बता दें कि अनलॉक के साथ ही फैक्ट्रियों, ऑफिसों को खोलने की इजाजत दे दी गई है।

हालांकि, इनके लिए कई तरह के नियमों का पालन करना होगा, जैसे कि कम स्टाफ, सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना, शिफ्ट में बदलाव।

ऐसे में इन फैक्ट्रियों में इन नियमों का पालन नहीं दिखा।

अगर गुजरात की बात करें, तो यहां कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और रोज करीब 500 से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

गुजरात में अब करीब 22 हजार कोरोना वायरस के कुल मामले हैं,

इनमें से 1300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

सूरत रेलवे स्टेशन पर लगा एक साथ 15 लोगों का स्क्रीनिंग करने वाला मशीन

क्रांति समय

सूरत, शहर के रेलवे स्टेशन पर अत्याधुनिक ऑटोमेटिक कैमरा स्क्रीनिंग इमेज सिस्टम इंस्टॉल की गई है! यह मशीन एक साथ 15 लोगों का स्क्रीनिंग करेगी!

मुंबई टर्मिनल और बांद्रा के बाद अब सूरत में यह मशीन इंस्टॉल की गई है!

दरअसल सूरत से लंबी दूरी की ट्रेनों शुरू होने के बाद लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या को देखते हुए स्क्रीनिंग मशीन लगाया गया है!

प्रवासी श्रमिकों को पहले ही उनके गृह राज्य पहुंचाया जा चुका है और अन्य यात्रियों की आवा. जाही बढ़ने से ऑटोमेटिक थर्मल स्क्रीनिंग मशीन लगाया गया है!

जो एक साथ 15 जितने यात्रियों का स्क्रीनिंग करती है! जो यात्रियों के टेम्पचर स्टेशन पर लगाए गए एलईडी स्क्रीन पर एक साथ बताती है!

यदि किसी यात्री का टेम्पर ज्यादा है तो लाल रंग के चिह्न के साथ एक बेल बजता है

और इसकी जानकारी मोन. टरिंग करने वाले आरपीएफ के जवान और मेडिकल टीम को मिल जाती है!

सूरत स्टेशन पर लगी थर्मल स्क्रीनिंग मशीन कंप्यूटरीकृत है और उसमें टेम्परेचर सिस्टम फिट की गई है!

एक ही परिवार के चार सदस्य कोरोना पॉजिटिव

क्रांति समय

बोटाद, शहर के मोटी वाडी में रहनेवाले एक परिवार के चार सदस्यों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई हैद्य बोटाद शहर में अब तक कोरोना के कुल 64 केस दर्ज हुए हैं और 2 मरीजों की मौत हो चुकी है! जबकि 57 लोगों के स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया हैद्य अब एक ही परिवार के चार सदस्यों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है! बोटाद के मोटी वाडी में रहनेवाला परिवार दो सप्ताह पहले अहमदाबाद और नडियाद गया थाद्य परिवार के 4 सदस्यों में 40 और 46 वर्षीय दो पुरुष और 81 और 38 वर्षीय दो महिलाएं शामिल हैं! गौरतलब है गुजरात में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रही है! राज्य में कोरोना का आंकड़ा 22000 को पार कर गया है और 1385 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है! हांलाकि राज्य में कोरोना से अब तक कोरोना के 5573 सक्रिय मरीज हैं! जिसमें 5512 मरीजों की हालत स्थिर है और 61 मरीज

गुजरात में मॉनसून की दस्तक अगले 48 घंटों में

क्रांति समय

अहमदाबाद , मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 48 घंटों में गुजरात में मानसून दस्तक दे सकता है! फिलहाल प्री मॉनसून एक्टिविटी के चलते पिछले कई दिनों से अहमदाबाद समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है! बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर सिस्टम सक्रिय है! मौसम विभाग ने इस बार मॉनसून के जल्द आगमन की संभावना व्यक्त की है! मौसम विभाग के निदेशक जयंत सरकार के मुताबिक अगले 48 घंटों में मॉनसून गुजरात में दस्तक देगा और अगले 5 दिनों तक छुटपुट बारिश होगी! अहमदाबाद में भी तेज हवा के साथ बारिश होगी! अहमदाबाद में हाल ही में हुई बारिश के बाद लोग गर्मी और उमस से बेहाल हैं! ऐसे में मॉनूसन के आगमन की खबर से अहमदाबाद के लिए राहत लेकर आई है! मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 15 और 16 जून को दक्षिण गुजरात और दक्षिण सौराष्ट्र में भारी बारिश होने की संभावना है! आगामी 5 दिन थंडरस्टॉम रहेगा, जिसकी वजह से राज्य के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश होगीद्य 13 से 15 जून तक गुजरात में अतिभारी बारिश होने का अनुमान है!

नव–विद्युतीकृत हाई–राइज़ पेंटोग्राफ वाले रेलखंड पर पहली डबल स्टैक कंटेनर ट्रेन चलाकर पश्चिम रेलवे ने बनाया विश्व कीर्तिमान

अहमदाबाद भारतीय रेलवे के 100: विद्युतीकरण के महत्त्वाकांक्षी मिशन के साथ कदमताल करते हुए, पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर सभी क्षेत्रीय रेलों के बीच अग्रण ी रहकर मील के पत्थर के रूप में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह महत्त्वपूर्ण उपलब्धि 7.57 मीटर की सम्पर्क ऊँचाईवाले हाई–राइज़ ओएचई के ज़रिये नव–विद्युतीकृत खंड पर पहली डबल स्टैक कंटेनर ट्रेन सफलतापूर्वक चलाकर हा. सिल की गई है। यह शानदार उपलब्धि पूरे विश्व में अपनी तरह की सर्व प्रथम है और यह भारतीय रेलवे के लिए एक नवीनतम हरित पहल के रूप में ग्रीन इंडिया के महत्वाकांक्षी मिशन को भी उल्लेखनीय बढ़ावादेगी। इस उल्लेखनीय कामयाबी के फलस्वरूप पश्चिम रेलवे

विद्युतीकृत रेलखंड पर हाई–राइज़ पेंटोग्राफ के साथ डबल स्टैक कंटेनर ट्रेन चलाने वाली पहली रेलवे बन गई है, जिसका परिच. ालन 10 जून, 2020 को गुजरात के पालनपुर और बोटाड स्टेशनों के बीच सफलतापूर्वक किया गया।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल ने कोरोना महामारी और राष्ट्रव्यापी लॉडाउन की कठिनतम चुनौतियों के बावजूद हासिल इस यादगार मील के पत्थर पर अपनी हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की है तथा इस अद्वितीय और सराहनीय उपलब्धि के लिए पश्चिम रेलवे की समूची सम्बंधित टीम का हार्दिक अभिनन्दन किया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भ. ाकर द्वारा जारी की गई एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम रेलवे ने गुजरात प्रदेश में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद निर्धारित रेल मार्गों का विद्युतीकरण पूर्ण करके एकबार फिर से अपनी उत्कृष्टता साबित की है, और वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान सभी क्षेत्रीय रेलों के बीच 664 आरकेएम का उच्चतम विद्युतीकरण लक्ष्य हासिल किया है।

हाई–राइज़ ओएचई वर्तमान में पश्चिम रेलवे के पाल. नपुर– महेसाणा– वीरमगाम – सुरेन्द्रनगर – बोटाड– विरमगाम दृ साणंद खंडों में प्रदान की गई है, जो गुजरात राज्य के इस लगभग 375 किमी लम्बे रेलमार्ग पर उपलब्ध है।

भारतीय रेलवे और दुनिया में सामान्य ओएचई की ऊँचाई 5.6 मीटर रहती है, जबकि, हाई–राइज ओएचई की ऊँचाई 7.57 मीटर है, जो डबल स्टैक कंटेनरों को चलाने के लिए ज़रूरी है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली और गुजरात राज्य के बंदरगाहों के बीच माल के परिवहन के लिए डबल स्टैक कंटेनरों के ज़रिये एक ट्रेन में 2 ट्रेनों के बराबर सामान लोड होता है। भाकर ने बताया कि, शुरू में हाई–राइज पेंटोग्राफ पर पवन सुरंग प्रभाव के कारण हाई–राइज़ ओएचई क्षेत्र में इलेक्ट्रिक ट्रेनें चलाने में कुछ तकनीकी बाधाएँ आ रही थीं।

पेंटोग्राफ को ऊँचे ओएचई में 3.4 मीटर की ऊँचाई तक उठाना पड़ता है, जबकि सामान्य रूप से यह ऊँचाई लगभग 1.5 मीटर रहती है। 60 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से ट्रेन चलाते समय भारी चिंगारियाँ उत्पन्न होती थीं।

इसने हाई–राइज़ ओएचई के डिज़ाइन और इसके सफल क्रियान्वयन के बारे में गम्भीर संदेह पैदा किया, मगर पश्चिम रेलवे के इलेक्ट्रिक इंजन रखरखाव और ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट की तकनीकी टीम ने एक साथ मिलकर व्यापक परीक्षण और इंस्ट्रूमेंटेशन किया और खराब करंट कलेक्शन के कारणों की निरंतर और समुचित जांच की। तत्पश्चात लोकोमोटिव को चलाने के एक बहुत ही सरल उपाय को सुनिश्चित किया गया।

तदनुसार, अब इलेक्ट्रिक इंजनों को हाईराइज ओएचई क्षेत्र में अधिकतम 100 किमी प्रति घंटे की अनुभागीय गति के लिए मंजूरी दे दी गई है। इसी क्रम में 10 जून 2020 को, पश्चिम रेलवे ने राजकोट और भावनगर डिवीजनों में अपनी पहली इलेक्ट्रिक डबल स्टैक कंटेनर ट्रेन का परिचालन कर एक नया इतिहास रच दिया।

इस उत्कृष्ट उपलब्धि के फलस्वरूप पश्चिम रेलवे के राज. कोट और भावनगर डिवीजनों ने अब भारतीय रेलवे के इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन मानचित्र पर गौरवपूर्ण पदार्पण कर लिया है।

बिजली लोकोमोटिव से चलनेवाली डबल स्टैक कंटेनर मालगाड़ी की पालनपुर से बोटाड तक लगभग 275 किमी लम्बी यह पहली यात्रा थी, जो पूरी दुनिया में अपनी तरह की पहली उपलब्धि है।

प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रेलवे के हरित पहल अभियान में भी इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि का सक्रिय योगदान रहेगा। प्रदूषण मुक्त और परिवहन के ऊर्जा कुशल साधन के रूप में बिजलीकर्षण की शुरूआत के साथ पश्चिम रेलवे को ईंधन खर्च पर प्रति वर्ष लगभग 100 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन पर 1000 ळज्ज्ञड ले जाने के लिए, 4.5 यूनिट इलेक्ट्रिक ऊर्जा की खपत होती है, जिसकी कीमत 25 रु. तक होती है, जबकि 2 लीटर भ्वे तेल की लागत लगभग 150 रुपये होती है, जोडी जल ट्रैक्शन द्वारा समान लोड ले जाने के लिए लगता है।

इस प्रकार भारतीय रेलवे पर विभिन्न खंडों के विद्युतीकरण के फलस्वरूप ईंधन के खर्च में पर्याप्त बचत होगी। इसके अलावा, विद्युतीकरण से ट्रेनों की गतिशीलता को और अधिक विश्वसनीय और शक्तिशाली बनाने में मदद मिलेगी।

इस प्रकार सेक्शन में अधिक ट्रेनों कोच लाने के लिए लाइन क्षमता में भी वृद्धि होगी।

ऑपरेशन समुद्र सेतु के तहत गुजरात के 233 लोगों को पोरबंदर लाया गया

क्रांति समय

पोरबंदर,वैश्विक महामारी कोरोना और लॉकडाउन के चलते विदेश में फंसे भारतीयों को स्वदेश लाने के लिए भारत सरकार ने वंदे भारत मिशन और नौ सेना द्वारा ऑपरेशन समुद्र सेतु शुरू किया गया है!

नौ सेना के ऑपरेशन समुद्र सेतु के तहत ईरान में गुजरात के 233 नागरिकों को बीते दिन सौराष्ट्र के पोरबंदर लाया गया! ईरान से पोरबंदर पहुंचे गुजरात के सभी नागरिकों की मेडिकल जांच की गई और उनके सामान को सैनि. टाइज किया गया!

गुजरात पहुंचे इन लोगों को फिलहाल जिला कोरन्टाइन सेंटर में रखा जाएगा, जहां उन्हें प्रशासन की ओर से भोजन–पानी और रहने समेत सभी सुविधा मुहैया कराई जाएंगी! कोरन्टाइन काल पूरा होने के बाद ये लोग अपने घरों को लौट सकेंगे!

मामूली बात पर हमला, अधेड़ की मौत और दो घायल

क्रांति समय

सुरेन्द्रनगर, जिले कंथारिया गांव में मामूली बात को लेकर कुछ शख्सों ने गरीब परिवार पर हमला कर दिया! इस हमले में अधेड़ की मौत हो गई और उसके दो पुत्र घायल हो गए! जिन्हें सुरेन्द्रनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है!

जानकारी के मुताबिक सुरेन्द्रनगर जिले की चूड़ा तहसील के कंथारिया गांव में गत देर रात कुछ शख्सों ने 58 वर्षीय नागर भीखाभाई की तीक्ष्ण हथियार से गोदकर हत्या कर दी! पिता को बचाने के प्रयास कर रहे उसके दो पुत्रों मुकेश और कमलेश पर घातक हथियार से हमला कर दोनों को घायल कर दिया!

हमले में घायल दोनों भाइयों को पहले लींबडी और बाद में सुरेन्द्रनगर के अस्पताल में दाखिल किया! सूचना मिलते ही पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए चूड़ा के अस्पताल में भेज मामले की जांच शुरू कर दी!

गुजरात में मॉनसून की दस्तक अगले 48 घंटों में

क्रांति समय

अहमदाबाद, मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 48 घंटों में गुजरात में मानसून दस्तक दे सकता है! फिलहाल प्री मॉनसून एक्टिविटी के चलते पिछले कई दिनों से अहमदाबाद समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है! बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर सिस्टम सक्रिय है! मौसम विभाग ने इस बार मॉनसून के जल्द आगमन की संभावना व्यक्त की है! मौसम विभाग के निदेशक जयंत सरकार के मुताबिक अगले 48 घंटों में मॉनसून गुजरात में दस्तक देगा और अगले 5 दिनों तक छुटपुट बारिश होगी! अहमदाबाद में भी तेज हवा के साथ बारिश होगी! अहमदाबाद में हाल ही में हुई बारिश के बाद लोग गर्मी और उमस से बेहाल हैं! ऐसे में मॉनूसन के आगमन की खबर से अहमदाबाद के लिए राहत लेकर आई है! मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 15 और 16 जून को दक्षिण गुजरात और दक्षिण सौराष्ट्र में भारी बारिश होने की संभावना है! आगामी 5 दिन थंडरस्टॉम रहेगा, जिसकी वजह से राज्य के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश होगी! 13 से 15 जून तक गुजरात में अतिभारी बारिश होने का अनुमान है!

गुजरात की 53 तहसीलों में 2.5 ईंच तक बारिश

क्रांति समय

अहमदाबाद, पिछले पांच दिनों से सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में बारिश हो रही है! पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य की 53 तहसीलों में आधे से करीब 2.5 ईंच तक बारिश हुई है!

सौराष्ट्र के भावनगर, अमरेली और जूनागढ़ जिले में बारिश से लोगों को गर्मी और उमस राहत मिली है! रात 12 बजे से सुबह 6 के दौरान सबसे अधिक बारिश मालिया हाटिना में दर्ज हुई है! मालिया हाटिना में 2.4 ईंच बारिश हुई! वहीं मेंदरडा में 1.7 ईंच, माणावदर में 1.5 ईंच, विसावदर में 0.5 ईंच, वंथली में 9 मिमी, भेंसाण में 3 मिमी और जूनागढ़ में 2 मिमी बारिश दर्ज हुई! मालिया हाटिना, मेंदरडा और माणावदर में भारी बारिश के कारण सड़कों और खेतों में पानी भर गया!

वहीं किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है! पोरबंदर के कुतियाणा, गिर सोमनाथ के तालाला में 2 ईंच जितनी बारिस हुई!

राज्य की 11 तहसीलों में 11 ईंच से ज्यादा और 19 तहसीलों में आधा ईंच से अधिक बारिश होने की खबर है! कच्छ की भुज तहसील के जुणा गांव में बिजली गिरने से 7 बकरों की मौत हो गई!

मध्य गुजरात के दाहोद में देर मूशलाधार बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया! तेज हवा के साथ हुई बारिश के दौरान दाहोद में कई पेड़ गिर गए! पेड़ गिरने से गाड़ियों को नुकसान हुआ है!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)